राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,06 फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–14 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सियासत का पैदल मार्च, भाजपा पदयात्रा से 1 करोड़ किसानों तक पहुंचेगी

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के आमचुनाव को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अंतिम कोने तक पहुंचने की तैयारी की है। भारत जोड़ो यात्रा पूरी कर चुकी कांग्रेस जहां हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चला रही है। वहीं, बजट घोषणाओं के व्यापक प्रचार के लिए भाजपा देशभर में कार्यक्रम कर रही है। इस क्रम में किसानों तक बजट घोषणाएं पहुंचाने और उनके बीच पकड़ मजबूत करने के लिए भाजपा 24 फरवरी से देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। एक साल चलने वाले अभियान का लक्ष्य एक लाख गांवों में पदयात्रा निकालकर एक करोड़ किसानों तक पहुंचना है। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने बताया, बजट में सरकार ने ऑर्गेनिक खेती और श्रीअन्न (मोटे अनाज) पर काफी फोकस किया है। बजटीय घोषणाओं की किसानों तक पहुंचाने के लिए 6 से 12 फरवरी तक देशभर में किसान चौपाल होगी।

13 फरवरी को दिल्ली में किसान मोर्चा, सोशल मीडिया और प्राकृतिक खेती से जुड़ी टीम की ट्रेनिंग होगी। राज्यों में भी प्रशिक्षण पूरा होने के बाद एक लाख गांवों में जनजागरण यात्रा निकालेंगे। किसान सम्मान निधि के चार वर्ष पूरा होने पर 24 फरवरी को सभी जिलों में लाभार्थियों से संवाद और संपर्क होगा। किसानों को नदियों के किनारे आर्गेनिक खेती से जोड़ने का अभियान चलेगा।

सभी प्रमुख नदियों के किनारे पदयात्रा निकाली जाएगी। इसकी शुरुआत इस महीने के अंत या मार्च के पहले हफ्ते में यूपी के मुजफ्फरनगर के शुक्रताल में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्?डा और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह

तोमर करेंगे। सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक 29-30 जनवरी को हुई किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में यह आकलन सामने आया कि मिशन 2024 के लिए किसानों तक सक्रियता से पहुंच बनाना जरूरी है।

हाल ही में वाराणसी में संपन्न हुए तमिल संगमम कार्यक्रम की तर्ज पर भाजपा उत्तर भारत के कार्यर्ताओं और नेताओं को दक्षिण के प्रसिद्ध स्थानों का दौरा कराएगी। इसमें भाजपा नेता सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्किटेक्चर के तौर प्रसिद्ध स्थानों का भ्रमण करेंगे। वहां, स्थानीय लोगों से संवाद, यात्रा और धर्मस्थलों पर दर्शन-पूजन करेंगे। इसका मकसद उत्तर और दक्षिण के बीच बांडिंग को और मजबूती देना है।

आंध्र में नारा लोकेश 4000 किमी युव गलम यात्रा पर

आंध्र प्रदेश में जगनमोहन रेड्डी को चुनौती देने के लिए टीडीपी और अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की पार्टी जन सेना साथ आई है। कल्याण प्रदेश की यात्रा पूरी कर चुके हैं। वे चाहते हैं कि चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता वाली टीडीपी फिर एनडीए में वापस हो, हालांकि भाजपा इस पर कुछ नहीं बोल रही है। दूसरी ओर, टीडीपी महासचिव और नायडू के बेटे नारा लोकेश 4,000 किमी लंबी युव गलम यात्रा पर निकले हैं। शुक्रवार को 8वें दिन यात्रा बंगरुपालयम पहुंची। जहां पुलिस ने उनके वाहन को भी जब्त कर लिया।

कर्नाटक में प्रजाध्वनि यात्रा

भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चला रही है। कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने बताया- इस अभियान में केंद्र सरकार के खिलाफ एक पेज की चार्जशीट लोगों तक पहुंचाई जा रही है। कर्नाटक में 11 जनवरी से शुरू हुई प्रजाध्वनि यात्रा का पहला चरण पूरा हो गया। शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मुलबगल से और पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने उत्तर कर्नाटक में बसवकल्याण से यात्रा शुरू की। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी सोमवार से यात्रा शुरू करेंगे।

कर्नाटक भाजपा की जनस्पंदन तो जेडीएस की पंचरत्न रथयात्रा

भाजपा कर्नाटक में पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा और सीएम बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में जनस्पंदन यात्रा निकाल रही है। अब तक दोनों नेता 6 जिलों को कवर कर चुके हैं। कर्नाटक के पूर्व सीएम व जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी जनवरी से पंचरत्न रथयात्रा पर हैं। दो दिन पहले उनकी यात्रा दावणगेरे पहुंची है।

मिश्र ने स्वच्छ जयपुर, स्वस्थ जयपुर का किया आह्वान

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने आज सुबह यहां जयपुर मैराथन के 14 वें संस्करण का झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। राजधानी जयपुर के रामनिवास बाग से शुरु हुई मैराथन के अवसर पर श्री मिश्र ने स्वच्छ जयपुर, स्वस्थ जयपुर का आह्वान करते हुए कहा कि फिट इंडिया अभियान को ऐसे मैराथन आयोजन ही आगे बढ़ाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ही स्वस्थ तन और स्वस्थ मन के लिए हम अग्रसर हो सकते हैं। राज्यपाल ने मैराथन में भाग लेने वाले देश विदेश के धावकों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं भी दी। संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित इस मैराथन में राज्यपाल के अलावा सांसद रामचरण बोहरा, अभिनेता सोनू सूद और रणविजय, मैराथन के आयोजक संस्कृति युवा संस्थान के पंडित सुरेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य लोग भी सम्मिलित हुए। मैराथन के लिए आज प्रात- से ही लोगों में विशेष जोश और उत्साह दिखाई दे रहा था। बहुत से लोगों ने मैराथन में पगड़ी पहनकर भी दौड़ लगाई। युवाओं के साथ बड़ी संख्या में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने भी इसमें भाग लिया।

मंगुभाई पटेल और शिवराज ने संत रविदास जयंती पर किया नमन

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संत शिरोमणि गुरू रविदास जयंती पर उन्हें नमन किया है।

श्री पटेल ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि संत परंपरा के महान योगी एवं परम ज्ञानी संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

श्री चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि अपने तेजस्वी विचारों और आदर्श जीवन से समाज में प्रेम, सौहार्द, भाईचारे की मंगल ज्योत प्रज्ज्वलित करने वाले संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर कोटिश- नमन करते हैं।

कश्मीर पर फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

भारत की छवि खराब करने के लिए तैयार किया टूलकिट

नई दिल्ली। पाकिस्तान अपनी आर्थिक हालातों को सुधारने के बजाय कश्मीर राग अलापता रहता है। एक नई साजिश के तहत पाकिस्तान ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की एक योजना बनाई है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान ने दुनिया भर में अपने दूतावासों से कश्मीर घाटी में इस तरह की साजिश रचने के लिए कहा है, जिससे कि भारत सरकार की छवि खराब हो। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों ने कहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अपने दूतावासों को एक गुप्त नोट भेजा है, जिसमें भारत के खिलाफ नई साजिशों का विवरण दिया गया है। इंटेल ने कहा है कि कश्मीर एकजुटता दिवस (पांच फरवरी को पाकिस्तान द्वारा मनाया गया) के लिए इस्लामाबाद में पाकिस्तान उच्चायोग ने अपने सभी दूतावासों को फैक्स और ईमेल भेजा है। इसमें भारतीय सशस्त्र बलों को तबाह करने की योजना का विवरण दिया गया है। इस बीच सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े छह आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से

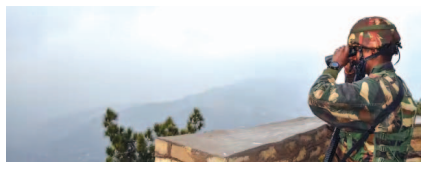

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि ये विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीमा पार के आतंकी नेटवर्क संचालकों के संपर्क में थे। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी कुलगाम जिले में शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने के लिए ग्रेनेड हमले, निर्दोष नागरिकों को डराने के साथ-साथ पीआरआई सदस्यों और अल्पसंख्यक समुदायों पर गोलीबारी करने के लिए आमादा थे।

8000 बेटियों का क्या होगा? ओवैसी ने कहा-असम सीएम का कदम मुस्लिमों के खिलाफ दुराग्रह

नई दिल्ली। हैदराबाद से सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम सरकार के उस कदम का घोर आलोचना की है, जिसके तहत बाल विवाह के आरोपियों की धर-पकड़ की जा रही है। ओवैसी ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा पर हमला बोलते हुए पूछा है कि उन 8000 लड़कियों का क्या होगा, जिनकी शादी हो चुकी है और जिनके पतियों को गिरफ्तार किया जा रहा है? ओवैसी ने पूछा कि उन लड़कियों की देखभाल अब कौन करेगा? उन्होंने कहा कि असर सरकार ने अब तक 8000 मामले चिन्हित किए हैं।

इनमें से 4000 पर केस दर्ज हुए हैं और 2000 से ज्यादा मामलों में गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। AIMIM चीफ ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री मुस्लिमों के खिलाफ दुराग्रह से प्रेरित हैं, इसीलिए इस तरह की कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने पूछा कि असम सरकार स्कूल क्यों नहीं खोलती? ओवैसी ने यह भी पूछा कि सीएम ऊपरी असम में जब भूमिहीनों को जमीन दे सकते हैं तो निचले असम में भूमिहीनों को जमीन क्यों नहीं देते? उन्होंने यह भी पूछा कि जब ये कानून 2006 में बन गया था, तो कार्रवाई अब क्यों हो रही है।

बता दें कि असम पुलिस ने शुक्रवार से बाल विवाह पर कार्रवाई करते हुए ऐसे मामलों के खिलाफ दर्ज 4,074 प्राथमिकी के आधार पर अब तक 2,258 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि यह अभियान 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा। इसके विरोध में राज्य के कई हिस्सों में लोगों ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया है।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में भीषण सड़क हादसा, लॉरी ने मजदूरों को कुचला

अमरावती। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में भारी समानों को ले जाने वाली लॉरी से दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। दरअसल जिले के अमदलावाला मंडल के मंडाडी में एक लॉरी मजदूरों के ऊपर चढ़ गई जिसमें लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं तो वहीं हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घायलों को अच्छे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस वहां राहत कार्य में जुटी हुई है।

ब्रेक फेल होन से हुआ हादसा-अमदालावाला मंडले के सब-इंस्पेक्टर कृष्णा ने कहा कि एक अन्य कर्मचारी की हालत गंभीर है। तो वहीं चालक ने सड़क दुर्घटना होने का भी कारण स्पष्ट किया है। चालक ने बताया कि लॉरी का ब्रेक फेल होने की वजह से अचानक संतुलन बिगड़ गया था। तब ही यह हादसा हुआ है। हालांकि हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान नहीं हो सकी है।

लॉरी के चालक ने खुद ही थाने में किया आत्मसमर्पण

सब-इंस्पेक्टर ने यह भी बताया है कि लॉरी के चालक ने थाने में खुद ही आकर आत्मसमर्पण कर दिया था। जबकि पुलिस दुर्घटना के कारणों की अभी गहनता से जांच कर रही है। यह दुर्घटना शनिवार शाम को श्रीकाकुलम जिले के अमदलावालासा में हुई थी।

हादसे के वक्त 200 मजदूर चल रहे थे सड़क पर-विजयनगरम से कासी शहर की ओर जा रही एक लॉरी ने सड़क पर पैदल चल रहे श्रमिकों को कुचल दिया था। एसपी ने कहा कि जब यह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था तो उस दौरान वहां करीब 200 मजदूर सड़क पर चल रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में हर रोज कई लोग गंवाते हैं जान

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

सेना ने अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किया, अब ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम पहले होगा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने अग्निवीर भर्ती की चयन प्रक्रिया में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। अब उम्मीदवारों को पहले एक ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन यानी रिटन टेस्ट देना होगा। अभी CEE सबसे बाद में लिया जाता है। सेना की ओर से कई न्यूज पेपर्स में एनरोलमेंट प्रोसेस में बदलाव की घोषणा करने वाले विज्ञापन प्रकाशित किए गए थे। इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना मध्य फरवरी तक जारी होने की उम्मीद है।

पहले-अग्निवीरों के लिए भर्ती प्रक्रिया अलग थी। सबसे पहले उम्मीदवारों का फिजिकल फिटनेस टेस्ट होता था। उसके बाद मेडिकल टेस्ट और फिर आखिर में उम्मीदवारों को कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन

यानी रिटेन टेस्ट पास करना होता था। फाइनल मेरिट लिस्ट के आधार पर ट्रेनिंग के लिए चयन होता था।

अब- सूत्रों के मुताबिक, कैंडिडेट्स को सबसे पहले CEE देना होगा। इसके बाद फिटनेस और मेडिकल टेस्ट होगा। इस बदली हुई प्रक्रिया का ऑफिशियल नोटिफिकेशन फरवरी के बीच में जारी किया जा सकता है।

बदलाव क्यों किया- सेना के एक सूत्र ने बताया कि प्रक्रिया में बदलाव खर्च को कम करने के लिए किया जा रहा है। पहले रिक्रूटमेंट के लिए फिजिकल और मेडिकल रैलियां की जाती थीं। पहले CEE होने से रैलियों में होने वाली भीड़ घटेगी। इससे खर्च का बोझ भी घटेगा। केवल वही लोग रैलियों में भाग लेंगे, जिन्होंने CEE क्लियर कर लिया है। सूत्र ने बताया कि पहले लाखों कैंडिडेट्स देश के 200 स्क्रीनिंग सेंटर्स पर भर्ती में हिस्सा लेते थे और इसमें काफी खर्च आ रहा था।

इस साल 40 हजार उम्मीदवार होंगे शामिल-नई प्रक्रिया लगभग 40,000 उम्मीदवारों पर लागू होगी, जो 2023-24 में होने वाली भर्ती में शामिल होने के इच्छुक हैं। पहला ऑनलाइन CEE टेस्ट अप्रैल में देशभर के करीब 200 सेंटर्स पर आयोजित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर से चुना गया पहला बैच

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक 19,000 अग्निवीरों की नियुक्ति हो चुकी है। 21,000 मार्च के पहले सप्ताह से सेना में शामिल हो जाएंगे। अग्निवीर का पहले बैच जम्मू-कश्मीर से चुना गया था। पीएम मोदी ने 16 जनवरी, 2023 को अग्निपथ योजना के पहले बैच के करीब 40 हजार जवानों को संबोधित किया था।

कैंसर मरीज नहीं उठा पाई अपना बैग तो विमान से नीचे उतारा, एयर होस्टेस पर बदसलूकी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने वाली एक कैंसर पेशंट को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही उतार दिया गया। जानकारी के मुताबिक महिला अमेरिकन एयरलाइन्स/-239 से जाने वाली थी लेकिन हैंडबैग रखने के मामले में एस विमान से उतार दिया गया। महिला यात्री ने कहा कि उसकी सर्जरी हुई थी और उसके हाथ में दिक्कत थी इसलिए क्रू मेंबर से बैग रखने में मदद मांगी। लेकिन उसने मदद करने से इनकार कर दिया और फिर उसे विमान से नीचे उतार दिया गया।

अमेरिका की रहने वाली यात्री मीनाक्षी सेनगुप्ता ने पुलिस के पास अमेरिकन एयरलाइन्स की इस बदसलूकी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा है कि बैग का वजन 5 पाउंड से ज्यादा था और वह इसे रखने के लिए मदद मांग रही थीं। डीजी, डायरेक्ट्रेट जनरल सिविल एविएशन अरुण कुमार ने कहा कि इस मामले में रिपोर्ट देखी जाएगी। अभी तक संवेदनहीनता की पुष्टि नहीं की जा रही है।

एक बयान में अमेरिकन एयरलाइन ने कहा, 30 जनवरी को दिल्ली से उड़ान भरने से पहले ही एक यात्री को विमान से उतार दिया गया। वह क्रू मेंबर के निर्देशों का पालन नहीं कर रही थीं। सेनगुप्ता छुट्टियां मनाने भारत आई

थीं। यहीं उनको कैंसर का पता चला और फिर सर्जरी करवाई। इसके बाद वह अमेरिका वापस जा रही थीं। अपना इलाज करवाने के लिए उन्होंने डॉक्टर से अपॉइनमेंट भी लिया था इसलिए तुरंत दूसरी एयरलाइन का टिकट लेना पड़ा। सेनगुप्ता व्हीलचेयर यात्री थीं। उन्होंने अपने बयान में कहा है, ग्राउंड स्टाफ ने बहुत मदद की। उन्होंने हमारा बेग भी सीट के पास पहुंचा दिया। लेकिन फ्लाइट के अंदर मैंने एयर होस्टेस को सारी परिस्थिति बताई इसके बावजूद बदसलूकी की गई। जब लाइट डिम हो गई और एयरक्राफ्ट उड़ान भरने वाला था तभी एक क्रू मेंबर ने मुझसे बैग ऊपर रखने को कहा। उसने मदद करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह मेरा काम नहीं है।

बार-बार मदद करने से इनकार करने के बाद केबिन क्रू ने कहा कि उन्हें विमान से उतरना होगा। कैप्टन ने भी मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर आप बैग नहीं रख सकतीं तो फ्लाइट से उतर जाइए। उन्होंने कहा, फ्लाइट अटेंडेंट ने धमकी दी थी कि उन्हें जबरन नीचे उतारा जाएगा। यह बहुत ही बुरा अनुभव था। इसके बाद अगले भी दिन मैं नहीं जा सकती थी क्यों कि पीएनआर बुक कर दिया गया था। फिर मुझे अटलांटा का विमान लेना पड़ा और वहां से अमेरिका गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दुबई में नए इस्लाम की पुकार!

(लेखक–डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दुबई में कल विश्व बंधुत्व–दिवस मनाया गया। इस मुस्लिम राष्ट्र में पिछले 10–15 साल से मुझे किसी न किसी समारोह में भाग लेने कई बार आना पड़ता है। सात देशों का यह महासंघ 'संयुक्त अरब अमारात' कहलाता है। यह सिर्फ सात देशों का महासंघ ही नहीं है, यह कम से कम 100 देशों का मिलन–स्थल है। जैसे हम न्यूयार्क स्थित संयुक्तराष्ट्र संघ के भवन में दर्जनों राष्ट्रों के लोगों से एक साथ मिलते हैं, बिल्कुल वैसे ही दुबई और अबू धाबी वगैरह में सारी दुनिया के विविध लोगों के दर्शन कर सकते हैं। जैसे भारत में आप दर्जनों धर्मों–संप्रदायों, जातियों, रंगों, भाषाओं, वेशभूषाओं और भोजनोंवाले लोगों को एक साथ रहते हुए देखते हैं, बिल्कुल वैसा ही नज्जारा यहां देखने को मिलता है याने दूसरे शब्दों में यह छोटा–मोटा भारत ही है। इस संयुक्त महासंघ की संपन्नता और भव्यता देखने लायक है। कल यहां जो विश्व–बंधुत्व दिवस मनाया गया, उसका संदेश क्या है? लगभग वही है, जो गांधीजी कहा करते थे याने सर्वधर्म समभाव। हर धार्मिक व्यक्ति अपने धर्म को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ धर्म मानता है। यह धारणा न तो तर्क पर टिक पाती है और न ही तथ्य पर! सारे धर्म, मजहब और संप्रदाय अंधविश्वास की संतान हैं। पैदा होते से ही शिशुओं को उनकी घुट्टी पिला दी जाती है। यह घुट्टी उनका फायदा भी करती है और नुकसान भी! हम भारतीयों ने उसका नुकसान ज्यादा देखा है। देश के 1947 में इसी कारण दो टुकड़े हो गए। दूसरा टुकड़ा किस नरक से गुजर रहा है, इस तथ्य को हम देख रहे हैं। संयुक्त अरब अमारात इस अर्थ में छोटा–मोटा स्वर्ग है। यहां आपको ऐसे भव्य मंदिर, गुरूद्वारे और गिरजे मिल जाएंगे कि आप दांतों तले उंगली दबा लें। शेख नाह्यान से जब मैंने कुछ वर्षों पहले निवेदन किया कि हमारे गुजराती लोग अक्षरधाम जैसा मंदिर यहां बनाना चाहते हैं तो उन्होंने तुरंत लगभग 30 एकड़ जमीन दिलवा दी। विश्व बंधुत्व दिवस पर यहां कल कई समारोह हुए, जिनमें मुस्लिम मंत्रियों, विद्वानों के अलावा कई धर्मों के विशिष्ट व्यक्तियों ने भाग लिया। मुस्लिम वक्ताओं ने दो–टूक शब्दों में कहा कि यदि इस्लाम अपने आप का आधुनिकीकरण नहीं करेगा तो उसे बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। संयुक्तराष्ट्र की पहल पर यूएई, सउदी अरब, बहरीन और मिस्र ने यह पहल की है। थाईलैंड और मलेशिया के प्रतिनिधियों ने साफ–साफ कहा कि कट्टरपंथी और पोंगापंथी लोग यदि इस्लामी व्यवहार पर खुली बहस नहीं करेंगे तो नई पीढ़ियां एकदम नास्तिक बन जाएंगी, जैसा कि कई पश्चिमी ईसाई देशों में हो रहा है। मुस्लिम राष्ट्रों में महिलाओं की दशा पर भी वक्ताओं ने खुलकर अपने विचार प्रकट किए। सभी वक्ताओं का आशय यह था कि इस्लामी की मूलभूत धारणाओं का निष्ठापूर्वक पालन तो ठीक है लेकिन डेढ़ हजार साल पुरानी परंपरा की लकीरों को पीटते रहना उचित नहीं है।

बंटवारों के खिलाफ चेतना जगाने का विचार

इस यात्रा से भी पहले, जब राहुल गांधी ने अपनी राजनीति की यात्रा शुरू की थी, तबसे उनके राजनीतिक विरोधी उन्हें उपहास की दृष्टि से देखने-दिखाने का प्रयास करते रहे हैं, पर अब कांग्रेस के इस 'अनिच्छुक' माने जाने वाले राजनेता के अभियान को देखते हुए देश की एक बहुत बड़ी आबादी यह मानने लगी है कि 'पप्पू पास हो गया'! यह सही है कि इस यात्रा की शुरुआत से ही कांग्रेस पार्टी यह कहती रही है कि यात्रा किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं आयोजित की गयी। यात्रा का घोषित उद्देश्य भारत जोड़ना रहा है। हालांकि जोड़ने वाली इस बात को लेकर कांग्रेस पार्टी के विरोधी अवसर उपहास के स्वर में यह कहते रहे हैं कि भारत टूटा ही कहां है जिसे जोड़ने की बात कही जा रही है।

विश्वनाथ सचदेव

कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की एक यात्रा पूरी हो चुकी है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की लगभग पांच माह की इस यात्रा को भारत जोड़ो यात्रा नाम दिया गया था। अपने इस उद्देश्य में यात्रा कितनी सफल हुई है, यह आकलन तो आने वाला समय ही करेगा, पर इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वयं राहुल गांधी की छवि में इस यात्रा से निखार के कई आयाम जुड़ गये हैं। पिछले आठ–दस साल में राहुल गांधी को एक अनिच्छुक और अपरिपक्व राजनेता के रूप में देखने–दिखाने की कोशिशों को कई–कई रूपों में देखा गया है। लेकिन इस यात्रा ने निश्चित रूप से उन्हें एक सक्षम और अपने उद्देश्य के प्रति उत्साह–भाव वाले व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया है। इस यात्रा का क्या राजनीतिक लाभ हो सकता है, यह भी अभी सिर्फ अनुमान का विषय ही है, पर अपने आप में यह कोई छोटी सफलता नहीं है कि देश को जोड़ने की अपनी कल्पना को राहुल गांधी जन–मानस तक पहुंचाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। इस यात्रा से भी पहले, जब राहुल गांधी ने अपनी राजनीति की यात्रा शुरू की थी, तबसे उनके राजनीतिक विरोधी उन्हें उपहास की दृष्टि से देखने–दिखाने का प्रयास करते रहे हैं, पर अब कांग्रेस के इस 'अनिच्छुक' माने जाने वाले राजनेता के अभियान को देखते हुए देश की एक बहुत बड़ी आबादी यह मानने लगी है कि 'पप्पू पास हो गया'! यह सही है कि इस यात्रा की शुरुआत से ही कांग्रेस पार्टी यह कहती रही है कि यात्रा किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं आयोजित की गयी। यात्रा का घोषित उद्देश्य भारत जोड़ना रहा है। हालांकि जोड़ने वाली इस बात को लेकर कांग्रेस पार्टी के विरोधी अक्सर उपहास के स्वर में यह कहते रहे हैं कि भारत टूटा ही कहां है जिसे जोड़ने की बात कही जा रही है। कहा तो यह भी जा रहा था कि यदि कुछ जोड़ना ही है तो राहुल गांधी को यात्रा की शुरुआत पाकिस्तान से करनी चाहिए थी! भारत को जोड़ने की इस परिकल्पना में यात्रा की गंभीरता को कम करने की आकांक्षा ही नज़र आती है। बहरहाल, राहुल अपनी इस यात्रा में 'जोड़ने' की अपनी परिकल्पना को स्पष्ट करने की लगातार कोशिश करते दिखे हैं। बहुत हद तक सफल भी हुए हैं अपने इस प्रयास में। यह सही है कि देश को जोड़ने का सीधा–सा मतलब देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना ही होता है। इस दृष्टि से देखें तो हमारी सेनाएं पूर्णतया सक्षम हैं। लेकिन समझने की बात यह है कि देश भीतर से भी दरक सकता है। स्वाधीन भारत का 75 साल का इतिहास हमारी उपलब्धियों का लेखा–जोखा तो है ही, इसमें ढेरों ऐसे संकेत भी छिपे हैं जो यह बता रहे हैं कि भीतर ही भीतर हम कहां–कहां दरक रहे हैं। हम विभिन्नता में एकता की बात करते हैं, इसे अपनी ताकत बताते हैं। गलत नहीं है यह बात, पर पूरी सच भी नहीं है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, आर्थिक और सामाजिक विषमता के रूप में, न जाने कितना बंटे हुए हैं हम। ऐसा नहीं है कि अलग–अलग रंगों वाले हमारे नेता इस टूटन और बंटने को जानते–समझते नहीं हैं। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते वे इसे देखकर भी अनदेखा करने के लिए मजबूर हैं। चोट इस मजबूरी पर होनी चाहिए, पर नहीं हो रही। राजनीति को सत्ता हथियाने और सत्ता में बने रहने का माध्यम मात्र मान लिया है हमारे राजनेताओं ने। स्वतंत्रता–प्राप्ति से पहले हमारे लिए राजनीति का मतलब स्वतंत्रता के लिए लड़ाई था। स्वतंत्र होने के बाद राजनीति का मतलब इस स्वतंत्रता की रक्षा करना होना चाहिए था। लेकिन सवाल स्वतंत्रता के मतलब को समझने का भी है। हमारे लिए स्वतंत्रता का मतलब विदेशी आधिपत्य को समाप्त करना ही नहीं था। स्वतंत्रता का मतलब होता है देश के हर नागरिक को सम्मान के साथ सिर ऊंचा करके जीने का अवसर और अधिकार। इस स्वतंत्रता में समता, न्याय और बंधुता के आदर्श जब जुड़ते हैं तब उसका सही अर्थ और औचित्य स्पष्ट होता है। राहुल गांधी की इस यात्रा का, अथवा किसी अन्य की भी ऐसी यात्रा का, उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह देश में इस भावना को जाग्रत कर सके कि हम हिंदू या मुस्लिम या ईसाई या पारसी नहीं, हम सब भारतीय हैं। मेरे लिए 'भारत जोड़ो' का यही अर्थ है। यही बात इस यात्रा का विरोध करने वाले या उपहास उड़ाने वाले समझना नहीं चाहते। अपने–अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए वे कभी धर्म के नाम पर समाज को बांटते हैं, कभी–जाति के नाम पर। कभी भाषा के नाम पर वे हमारी पहचान को संकुचित बना देते हैं और कभी हमारी वेशभूषा के आधार पर हमें बांट देते हैं। आज आवश्यकता इन बंटवारों के खिलाफ चेतना जगाने की है। जहां तक राहुल गांधी की पांच महीनों और बारह राज्यों की इस यात्रा का सवाल है, वे भले ही यह कहते रहें कि इसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है, पर इससे इनकार नहीं किया जाना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी को इसका कुछ राजनीतिक लाभ मिल सकता है। इस दृष्टि से इसे सन् 2024 तक की यात्रा कहा जा सकता है। कांग्रेस की आवश्यकता भी इससे कुछ हद तक पूरी हो सकती है, पर देश की आवश्यकता कुछ और है। राहुल गांधी ने अपनी इस कोशिश को 'नफरत के बाज़ार में प्यार की दुकान' लगाने वाली बताया है। देश की दुखती रग पर उंगली रखी है उन्होंने। आवश्यकता नफरत की एक आंधी को विफल बनाने की है। बड़ा काम है यह। इस लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा लम्बी है। राहुल गांधी भी संकेत दे चुके हैं, और कांग्रेस पार्टी भी कह चुकी है कि वे शीघ्र ही ऐसी ही एक और राजनीतिक यात्रा शुरू कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह पार्टी और पार्टी के नेताओं की एक राजनीतिक ज़रूरत है, यह ज़रूरत पूरी होनी ही चाहिए। पर आज ज़रूरत राजनीति को एक ऊंचे धरातल पर खड़ा करने की भी है। जिस 'हाथ मिलाने' की बात राहुल गांधी कर रहे हैं, उसका उद्देश्य मात्र वोट जुटाना नहीं होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य हो सकता है यह, पर देश को आज इससे कहीं बृहत्तर उद्देश्य की आवश्यकता है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की अपनी यात्रा को राहुल ने भले ही राजनीतिक दृष्टि से गैर–राजनीतिक यात्रा कहा हो, पर हकीकत यह है कि आज देश को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो सिर्फ सत्ता के लिए न हो। महात्मा गांधी ने सेवा के लिए सत्ता की शिक्षा दी थी। आज उस शिक्षा के महत्व को समझने की आवश्यकता है। सत्ता की राजनीति देश को बांट रही है। इस बंटवारे को जोड़ना है – तभी भारत जुड़ेगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन–देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

महंगाई-बेरोजगारी पर भी गंभीरता जरूरी

बजट की चुनौतियां/ सतीश सिंह

वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होना है, बावजूद इसके, लोकलुभावन बजट पेश करने की जगह वित्तमंत्री ने समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए हरित विकास को सुनिश्चित करने, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, आर्थिक मजबूती को बरकरार रखने, सरकारी सुविधाओं का लाभ आम जनता को मिलना सुनिश्चित करने, बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने और उपलब्ध संसाधनों के समुचित दोहन को सुनिश्चित करने की पहल बजट में की है। बजट में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए 10 लाख करोड़ का खर्च करने का प्रस्ताव किया गया है। इस क्रम में रेलवे के मद में 2.40 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। बैंकों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, इसलिए, बजट में बैंकों के कामकाज में सुधार के लिए बैंकिंग नियमन अधिनियम और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया है। हालांकि, पहले से ही सरकार बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए समीचीन कदम उठा रही है।

कोरोना काल में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पर बहुत ज्यादा नकारात्मक प्रभाव पड़ा था, जिनके पुनर्वास के लिए सरकार कोरोना काल से ही प्रयास कर रही है और वित्त वर्ष 2023–24 के बजट में एमएसएमई के लिये नई कर्ज गारंटी योजना शुरू करने की बात कही गई है। इसके तहत देश में मौजूद 84 हजार से अधिक स्टार्टअप्स के लिए 1 अप्रैल, 2023 से एमएसएमई को 2 लाख करोड़ रुपये तक ऋण रियायती ब्याज दर पर दिया जाएगा। बजट में कृषि क्षेत्र को ऋण देने के लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है और प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए भी आवंटन 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये से अधिक कर दिया गया है। बजट में परंपरागत हस्तशिल्प कारीगरों के लिए 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान' योजना की घोषणा की गई है, जिसके लिए वित्तीय समर्थन दिया जायेगा। साथ ही, बैंक भी इसके आवेदकों को ऋण मुहैया करायेंगे। इसके अंतर्गत उत्पादन बढ़ाने पर विशेष ज़ोर दिया जायेगा और विपणन की गति में तेजी लाई जायेगी, ताकि उत्पादों की मांग बनी रहे। मछली पालन के लिए 6000 करोड़ रुपये की रियायती ऋण योजना शुरू की जायेगी, जिससे ग्रामीण और कस्बाई इलाके के युवा और बेरोजगार लाभान्वित होंगे। कृषि क्षेत्र और भी विकसित और मजबूत बनाने के लिए एक कोष बनाया जाएगा, क्योंकि कोरोना काल और उसके बाद कृषि क्षेत्र ने विकास की गति को बरकरार रखने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। बजट में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 20 लाख करोड़ रुपये ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल के बजट में यह लक्ष्य 18.5 लाख करोड़ रुपये था। इसके अलावा, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर योजना की मदद से किसानों को खाद, बीज, बाजार आदि की जानकारी मिल सकेगी, जबकि एग्रीकल्चर एक्सीलेटर फंड के जरिये युवाओं को गांवों में स्टार्टअप शुरू करने में मदद मिलेगी। अर्थव्यवस्था में संगठित क्षेत्र का दायरा बढ़ा है, क्योंकि, कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन की सदस्यता बढ़कर 27 करोड़ हो गई है, जो दोगुनी से भी अधिक है।

यह संख्या बताती है कि हमारी अर्थव्यवस्था औपचारिक हो रही है अर्थात् अब कामगारों के कल्याण हेतु सरकार बेहतर तरीके से काम कर सकती है। समावेशी विकास का अर्थ होता है समाज के सभी तबके के विकास को सुनिश्चित किया जाये। इसलिए, जनजातीय समूहों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए पीएमपीबीटीजी विकास मिशन शुरू करने की घोषणा बजट में की गई है। इस योजना पर आगामी 3 सालों 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। अब 7 लाख तक की सालाना आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा। यह छूट पुरानी और नई दोनों आयकर पद्धतियों के लिए लागू होगी। नई आयकर पद्धति में सरचार्ज की सीमा को 37 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत किया गया है। साथ ही, इसके तहत 15 लाख रुपये वार्षिक आय वाले व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये कर देना होगा, जो पहले 1.87 लाख रुपये देना होता था। इसमें 50 हजार रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन का भी प्रावधान किया गया है। महिलाओं को 'महिला सम्मान बचत पत्र योजना', जो 2025 तक उपलब्ध रहेगी, के तहत 2 लाख रुपए की बचत पर 7.5 प्रतिशत का ब्याज़ दिया जायेगा। बुजुर्गों के लिए मासिक आय योजना के तहत निवेश की सीमा 4.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये की जाएगी। साथ ही, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना में निवेश की सीमा को भी 15 लाख से बढ़ा कर 30 लाख कर दिया गया है। बजट में 'हरित वृद्धि' में तेजी लाने के लिए जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाई जायेगी और इसके लिए 19,700 करोड़ रुपये के कोष से कार्यक्रम चलाया जाएगा। हरित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिये हरित ऋण देने की भी व्यवस्था की जायेगी। जोशीमठ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ऐसे उपाय करने जरूरी हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने की जरूरत थी, क्योंकि कोरोना काल में हम जर्जर स्वास्थ्य व्यवस्था से रूबरू हो चुके हैं। कई लोग इसी वजह से कोरोना काल में असमय काल–कवलित हो चुके हैं। लिहाजा, बजट में सिर्फ 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोलने की घोषणा को काफी नहीं कहा जा सकता है। साथ ही, रोजगार सृजन की मौजूदा गति, महंगाई की स्थिति, राजकोषीय घाटा, चालू खाते का घाटा, निर्यात की बदहाल स्थिति आदि के संदर्भ में और भी ज्यादा प्रभावशाली कदम उठाने की जरूरत थी।

विचार मंथन

मुगल गार्डन का नाम अमृत उद्यान करके क्या पाना चाहती है सरकार

(लेखक–सनत जैन)

भारत अमृत काल में प्रवेश कर गई है। 15 अगस्त 2021 को प्रधानमंत्री ने ऐलान किया था, कि 2047 भारत की स्वतंत्रता के 100 साल पूरे हो जाएंगे। भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ शक्ति,भारत को बनाने की बात कही थी। निश्चित रूप से,भारत का शायद ही ऐसा कोई आदमी होगा, जो भारत के अमृत काल और स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने पर इस गर्व को नहीं पाना चाहेगा। हाल ही में सरकार ने मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया है। इसके पहले भी केंद्र सरकार ने बहुत सारे महत्वपूर्ण स्थानों का नाम बदल दिया। सभी राज्यों में विश्वविद्यालयों, ऐतिहासिक धरोहरों, और शहरों के नाम बदले जा रहे हैं। कई शहरों के नाम बदल दिए गए, जो नए नाम रखे गए हैं। उनकी पहचान अभी तक भारत के लोगों में ही नहीं बन पाई। उनकी पहचान कब और कैसे बनेगी। इसको लेकर सरकार के पास कोई प्लान नहीं है। यदि पहचान बनाना चाहेंगे, तो इसके लिए भी हजारों करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। उसके बाद भी सैकड़ों वर्षों में जो पहचान बनी थी उस पहचान को बनाए रखना संभव नहीं होगा। सैकड़ों हजारों वर्षों से अपने नामों के कारण सारी दुनिया में पहचान बनाकर रख पाने वाले स्थान, संस्थान, जिनकी वैश्विक स्तर पर पहचान बनी हुई है। उन नामों को बदलकर हम अपनी पहचान खोने का काम कर रहे हैं। ऐतिहासिक पहचान को छुपाकर एक तरह से हम अपने लिए स्वयं परेशानी खड़ी कर लेते हैं। क्योंकि हमारा जब कोई इतिहास नहीं होता है। तो उसकी पहचान बनाना और अपने गर्व को बताना सबसे बड़ा कठिन काम होता है। वायसराय की पत्नी लेडी हार्डिंग 1913 में जब पढ़ रही थी। तब उन्होंने अपनी एक किताब लिखी थी। नालियों के साथ बगीचे बनाने का एक पैटर्न बताया था। जिसके आधार पर मुगल गार्डन बनाते समय गार्डन को 4 हिस्सों में बांटा गया। अंग्रेजों ने भारत में, ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटेन राजपरिवार के नेतृत्व में लगभग 250 साल तक शासन किया। उन्होंने मुगलों के इतिहास को समाप्त करने का काम नहीं किया। उन्होंने मुगलों से अच्छा काम करके मुगलों से अच्छी अपने शासन की एक पहचान बनाई। जिससे अंग्रेजों का गौरव बढ़ा लेकिन मुगलों का मिटा नहीं। 1928–29 में जब दुनिया भर से गुलाब की 250 किस्में लाकर मुगल गार्डन में लगाई गई। मुगल गार्डन के मालियों ने उसके नाम अर्जुन और भीम जैसी विभूतियों के नाम पर रखे। विश्वविद्यालयों के नाम शहरों के नाम पर रखे गए। अंग्रेजों द्वारा जो चीजें भारत में अपने दौर में लाई गई। हम उन्हें उन्हीं नामों से पुकार रहे हैं। विश्व स्तर पर भी सैकड़ों वर्षों में उनकी पहचान बनने के लिए लग गए हैं। इतिहास सतत प्रगति की ओर ले जाता है। इतिहास हमें जानकारी और सबक देता है। हम पहले क्या थे, अब क्या हैं। रावण नहीं होता, तो भगवान श्री राम भी नहीं होते। राम बनने के लिए एक रावण होने की जरूरत होती है। जिस तरह से नाम बदलने का तड़का लगाकर हिंदुत्व के नाम पर हम अपनी पहचान को खोने का काम कर रहे हैं। आगे चलकर इसका बहुत बड़ा दुष्परिणाम हमें उठाना पड़ेगा। क्योंकि नई पहचान बनाने के लिए फिर हमें सदियों तक मेहनत करनी पड़ेगी। जितने सालों में हम भारत की पहचान बनकर सारी दुनिया के सामने हैं। खाने–पीने के वस्त्र, प्राचीन सभ्यता,प्राचीन सामाजिक व्यवस्था प्राचीन धर्म विभिन्न धर्म आधुनिक सभ्यता, इत्यादि का समय समय पर जब समावेश होता है। उसके बाद ही हम विकास के क्रम में तेजी के साथ आगे बढ़ते हैं। जिस तरह से नाम बदलने के लिए हिंदू धर्म, हिंदुत्व, भारत की संस्कृति और परंपराओं के नाम पर लोगों को जो नशा परोसा जा रहा है। उस नशे के वशीभूत होकर एक पूरी पीढ़ी वह सब भूल रही है, जो उसे याद रखने की जरूरत थी। जब कोई भी नई संस्कृति आती है। उसका अपना एक प्रभाव होता है। जब सारी दुनिया के लोग भारत आए। उनका खाना–पीना, संस्कृति, धर्म इत्यादि सब समय–समय पर यहां पर आया। यहां से सारी दुनिया में भीभारतीय संस्कृति भारतीय धर्म सारी दुनिया में फैले हैं। एक दूसरे से इसकी तुलना ठीक नहीं है। अब तो लोग हंसी मजाक करने लगे हैं, कि यदि मुगलई पराठा खाना है। तो उसका नाम क्या होगा। चाइनीज खाने का नाम क्या होगा। मुगलई बिरियानी और मुर्ग मुसल्लम का क्या होगा। कई रेस्टोरेंट और होटलों ने तो डर के मारे इन नामों को ही बदल दिया है। उसके बाद भी पुराने नाम से ही उनकी मांग होती है। अंग्रेजों के समय और स्वतंत्रता के पश्चात जो फिल्में बनी हैं। हिंदू और मुगलों का जो स्वर्णिम इतिहास रहा है। उनका हम क्या करेंगे। समय–समय पर हर संस्कृति को अलग पहचान थी। उस पहचान को खोकर हम कौन सी नई पहचान बनाकर रख पाएंगे 1000 साल पहले सैकड़ों मुगल आए, भारत के कई हिस्सों में देखते ही देखते शासन स्थापित कर लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अदानी ग्रुप को सिक्योरिटी, देनदारी व लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर दिया लोनः एक्सिस बैंक

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सभी बैंकों से अदानी ग्रुप पर कर्ज को लेकर जानकारी मांगी थी। अब प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक ने जवाब दिया है कि अडानी ग्रुप को बैंक की ओर से दिया गया कर्ज, कुल लोन का 0.94 प्रतिशत है। बैंक ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में जानकारी देते हुए कहा कि हम किसी भी कंपनी को सिक्योरिटी, देनदारी और लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर ही लोन की रकम देते हैं। बैंक ने कहा कि इस कारण अडानी को दिए गए लोन पर हम सहज हैं। बैंक ने बताया कि फंड आधारित लोन 0.29 प्रतिशत है, जबकि नॉन फंड आधारित लोन 0.58 प्रतिशत है। 31 दिसंबर 2022 के आंकड़ों के अनुसार बैंक ने 0.07 प्रतिशत का निवेश किया है। एक्सिस बैंक ने बताया कि उसके पास 31 दिसंबर 2022 तक 1.53 प्रतिशत के स्टैंडर्ड एसेट कवरेज के साथ एक मजबूत बैलेंस शीट है। एक्सिस से पहले एसबीआई ने बताया था कि 27 हजार करोड़ रुपए का लोन दिया था। वहीं दूसरे सबसे बड़े पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का 7 हजार करोड़ रुपए का बकाया है। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा का कुल 7 हजार करोड़ रुपए का बकाया है। बैंकों ने किसी भी चिंता को लेकर इनकार किया है।

वैश्विक स्तर पर जनवरी में एक लाख लोगों ने नौकरी गंवाई

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर जनवरी के महीने में करीब 1 लाख लोगों ने नौकरी खो दी, जिसमें अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, सेल्सफोर्स और अन्य जैसी कंपनियों ने छंटनी की है। यानी कि दुनिया भर में 288 से अधिक कंपनियों द्वारा प्रतिदिन औसतन 3,300 से अधिक तकनीकी कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा। एप्पल को छोड़कर हर दूसरी बड़ी टेक फर्म ने जनवरी में नौकरियों में कटौती की है, अमेजॉन के नेतृत्व में 18,000 नौकरियों में कटौती हुई, इसके बाद जनवरी में गूगल ने 12,000 और माइक्रोसॉफ्ट ने 10,000 नौकरियों में कटौती की। सेल्सफोर्स 7,000, आईबीएम 3,900 और एसएपी 3,000 अन्य तकनीकी कंपनियां थीं, जिन्होंने पिछले महीने छंटनी की घोषणा की थी। छंटनी ट्रैकिंग साइट लेऑफ.फाई के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में, 1,000 से अधिक कंपनियों ने 154,336 कर्मचारियों की छंटनी की। तो कुल मिलाकर, 2.5 लाख से अधिक तकनीकी कर्मचारियों ने 2022 और अब में नौकरी खो दी है। 11,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग अब चाहते हैं कि 2023 दक्षता का वर्ष हो। बड़े पैमाने पर छंटनी के मौसम में शामिल होकर ऑनलाइन मार्केटप्लेस ओएलएक्स ग्रुप ने वैश्विक मंदी और मंदी की आशंकाओं के बीच पुनर्गठन के हिस्से के रूप में भारत सहित वैश्विक स्तर पर अपने कर्मचारियों के 15 प्रतिशत या 1,500 से अधिक कर्मचारियों को घटा दिया। एडटेक प्रमुख बाईजूस ने अपनी इंजीनियरिंग टीमों के 15 प्रतिशत कर्मचारियों को और निकाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक छंटनी के एक नए दौर में कंपनी ने 1,000 से अधिक कर्मचारियों को जाने के लिए कहा, जिनमें से ज्यादातर इंजीनियरिंग टीमों से थे।

सेबी ने हिंडनबर्ग-अडानी ग्रुप मामले में कहा- बाजार से नहीं होने देंगे खिलवाड़

नई दिल्ली ।

अडाणी समूह के शेयरों में गिरावट को लेकर बढ़ते विवाद के बीच सेबी ने कहा कि वह शेयर बाजार में निष्पक्षता, कुशलता और उसकी मजबूत बुनियाद बनाए रखने के साथ सभी जरूरी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाजार नियामक ने कहा कि विशिष्ट शेयरों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। सेबी ने अडाणी समूह का नाम लिए बिना एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह एक कारोबारी समूह के शेयरों की कीमत में असामान्य रूप से उतार-चढ़ाव देखा गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह बयान अडाणी मामले के मद्देनजर ही जारी किया गया है। अमेरिका स्थित शार्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने गौतम अडाणी के अगुवाई वाले समूह पर फर्जी लेनदेन और शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोप लगाए थे, जिसके बाद अडाणी की कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट हुई। अडाणी समूह ने इन आरोपों को झूठा बताया है और कहा कि उसने सभी कानूनों और नियामक खुलासों का पालन किया है। हालांकि, इसके बावजूद अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल मिलाकर 8.5 लाख करोड़ रुपए की गिरावट हो चुकी है। यह गिरावट छह कारोबारी सत्रों में हुई। अडाणी एंटरप्राइजेज ने अपने 20,000 करोड़ रुपए के

अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ) को भी वापस ले लिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि अपनी जिम्मेदारी के तहत सेबी बाजार के व्यवस्थित और कुशल कामकाज को बनाए रखना चाहता है। किसी खास शेयर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए अच्छी तरह से परिभाषित, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध निगरानी उपाए मौजूद हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग बढ़कर 8,181 करोड़ रुपए हुई

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 77 प्रतिशत बढ़कर 8,181 करोड़ रुपए रही। कंपनी ने कहा कि आवास की भारी मांग के चलते चालू वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 10,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार कर जाने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों अप्रैल-दिसंबर में कंपनी की बिक्री बुकिंग 4,613 करोड़ रुपए रही थी। गोदरेज ने कहा` कि हमारे लिए पिछली तिमाही अच्छी रही है। संचालन के हिसाब से, यह बहुत मजबूत तिमाही रही। तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2022 में बिक्री बुकिंग 3,252 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,541 करोड़ रुपए थी। गोदरेज ने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में पहले ही 8,200 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग कर ली है और उम्मीद है कि हम वार्षिक लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि तीसरी तिमाही में हुई बिक्री बुकिंग कंपनी के लिए अभी तक किसी भी तिमाही में सर्वाधिक है।

एप्पल ने कहा- भारत में बड़े पैमाने पर कर रहे निवेश

वाशिंगटन । दुनियाभर में टेक कंपनी एप्पल को घाटे का सामना करना पड़ा रहा है, वहीं सिर्फ भारत में ही कंपनी की अच्छी बिक्री हुई है। ऐप्पल कंपनी के सीईओ टिम कुक ने खुशी जाहिर की है। टिम कुक का कहना है कि कंपनी ने भारतीय बाजार से आय में एक और नया रिकॉर्ड बनाया है, कंपनी ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे देखकर हम काफी खुश हैं। मालूम हो कि एप्पल ने भारत में सिर्फ एक महीने के अंदर करीब 8000 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन बेचकर नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सीएमआर के डाटा के अनुसार, पिछले साल 2022 की चौथी तिमाही में एप्पल की बिक्री में काफी तेजी आई है। कंपनी ने करीब 20 लाख आईफोन की बिक्री की है। भारत में सिर्फ 1 महीने में करीब 8000 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन सेल किए है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी बढ़कर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई है। पिछले साल दिसंबर में भी एप्पल ने रिकॉर्ड आईफोन की शानदार बिक्री की थी। एप्पल को दुनिया भर में सबसे ज्यादा भारत में ही मुनाफा हुआ है। इसी कारण एप्पल कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करने की योजना बना रही है। एप्पल ने अपना स्मार्टफोन मैन्युफैक्चिरिंग कारोबार चीन से हटाकर भारत में शिफ्ट करने का फैसला किया है।

हिडेन बर्ग रिसर्च ने एलआईसी को डूबो दिया

- म्यूचुअल फंड्स और एफआईआई को भी भारी नुकसान

नई दिल्ली ।

अदानी ग्रुप के शेयरों में पिछले सात दिन में आई गिरावट से निवेशकों के अरबों डॉलर डूब गए हैं। ग्रुप के मार्केट कैप में 100 अरब डॉलर से अधिक गिरावट आई है। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी का अदानी ग्रुप की कई कंपनियों में निवेश है, लेकिन शेयरों में गिरावट से उसे 38,509 करोड़ रुपए का झटका लगा है। एलआईसी का अदानी ग्रुप की सात कंपनियों में निवेश है। इसमें से सबसे ज्यादा निवेश अडानी टोटल गैस, अदानी पोर्ट्स और अदानी एंटरप्राइजेज में है। पिछले सात सत्रों में एलआईसी के निवेश की कीमत 38,509 करोड़ रुपए घटकर 42,759 करोड़ रुपए रह गई है। 24 जनवरी को अदानी टोटल गैस में एलआईसी की हिस्सेदारी की वैल्यू 25,484 करोड़ रुपए थी, जो अब 10,664 करोड़ रुपए रह गई है। इसी प्रकार अदानी पोर्ट्स में यह 15,029 करोड़ रुपए से घटकर 9,854 करोड़ रुपए और अदानी एंटरप्राइजेज में 16,585 करोड़ रुपए से घटकर 7,632 करोड़ रुपए रह गई है। अदानी ट्रांसमिशन में 24 जनवरी को एलआईसी के निवेश की कीमत 5,701 करोड़ रुपए रह गई है। इसी तरह अंबूजा सीमेंट्स, एसीसी और अदानी ग्रीन एनर्जी में भी एलआईसी के निवेश को चपत लगी है। एलआईसी, म्यूचुअल फंड्स और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सात दिन में अदानी ग्रुप के शेयरों में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक गंवाए हैं। 24 जनवरी को अदानी ग्रुप की कंपनियों में उनके निवेश की कीमत 3,98,563 करोड़ रुपए थी, जो अब 1,90,782 करोड़ रुपए रह गई है। सात दिन में इसमें 2,07,781 करोड़ रुपए यानी 52 फीसदी की गिरावट आई है। म्यूचुअल फंड्स की अडानी ग्रुप की दस लिस्टेड कंपनियों में से नौ में हिस्सेदारी है, जबकि एफआईआई की सभी दसों कंपनियों में हिस्सेदारी है। इसी तरह म्यूचुअल फंड्स के निवेश की वैल्यू 8,282 करोड़ रुपये घटकर 16,280 करोड़ रुपए रह गई। उनका अंबूजा सीमेंट्स, अदानी पोर्ट्स, एसीसी और अदानी एंटरप्राइजेज में है। पिछले चार तिमाहियों में म्यूचुअल फंड्स ने अडानी एंटरप्राइजेज और अदानी पोर्ट्स में अपनी हिस्सेदारी कम की है। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स को अदानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट से 1,43,991 करोड़ रुपए की चपत लगी है और अब उनके निवेश की वैल्यू 148,742 करोड़ रुपए रह गई है। पिछली चार तिमाहियों में एफआईआई ने अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी टोटल गैस और अदानी ट्रांसमिशन में अपनी हिस्सेदारी कम की है।

कुछ शेयरों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने किए जा रहे उपायः सेबी

बाजार में फैली अनिश्चितता के बीच सेबी ने कुछ कंपनियों को निगरानी में रखा

नई दिल्ली ।

हिंडनबर्ग रिसर्च के दावों के बाद अदानी समूह के शेयरों में गिरावट को लेकर बढ़ते विवाद के बीच सेबी ने शनिवार को कहा कि वह शेयर बाजार में निष्पक्षता, कुशलता और उसकी मजबूत बुनियाद बनाए रखने के साथ सभी जरूरी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाजार नियामक ने कहा कि कुछ शेयरों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। सेबी ने बगैर किसी कंपनी का नाम लिए बिना एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह एक कारोबारी समूह के शेयरों की कीमत में असामान्य रूप से उतार-चढ़ाव देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह बयान अदानी मामले के मद्देनजर ही जारी किया गया है। अमेरिका स्थित 'शार्ट सेलर' हिंडनबर्ग रिसर्च ने गौतम अदानी के अगुवाई वाले समूह पर फर्जी लेन-देन और शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोप लगाए थे, जिसके बाद अदानी की कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट हुई। हालांकि, अदानी समूह ने इन आरोपों को झूठा बताया है और कहा कि उसने सभी कानूनों और नियामक खुलासों का पालन किया है, इसके बावजूद अदानी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल मिलाकर 8.5 लाख करोड़ रुपए की गिरावट हो चुकी है। यह गिरावट छह कारोबारी सत्रों में हुई।अदानी एंटरप्राइजेज ने अपने 20 हजार करोड़ रुपए के (एफपीओ) को भी वापस ले लिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि अपनी जिम्मेदारी के तहत सेबी बाजार के व्यवस्थित और कुशल कामकाज को बनाए रखना चाहता है। किसी खास शेयर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए अच्छी तरह से परिभाषित, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध निगरानी उपाए (एएसएम ढांचे सहित) मौजूद हैं। बयान के मुताबिक यह व्यवस्था किसी भी शेयर की कीमतों में उतार-चढ़ाव होने पर कुछ शर्तों के तहत अपने आप सक्रिय हो जाती है।

शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने अदानी समूह की तीन कंपनियों अदानी एंटरप्राइजेज, पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट्स को अपने अल्पकालिक अतिरिक्त निगरानी उपाय (एएसएम) के तहत रखा है। इसका मतलब है कि 'इंट्रा-डे ट्रेडिंग' के लिए 100 प्रतिशत अपफ्रंट मार्जिन लागू होगा, ताकि इन शेयरों में सट्टेबाजी और 'शॉर्ट-सेलिंग' को रोका जा सके।

सेबी ने कहा कि सभी विशिष्ट मामलों के संज्ञान में आने के बाद नियामक मौजूदा नीतियों के अनुसार उनकी जांच करता है और उचित कार्रवाई करता है। नियामक ने हालांकि स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि वह इस मामले में कोई जांच कर रहा है या नहीं।

थोक उपभोक्ताओं को एफसीआई गेहूं की ई-नीलामी 15 को होगीः सरकार

नई दिल्ली ।

खाद्य मंत्रालय ने कहा कि खुले बाजार में बिक्री के तहत आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को एफसीआई गेहूं की बिक्री के लिए अगली ई-नीलामी 15 फरवरी को होगी। सरकारी उपक्रम, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को देश में गेहूं और गेहूं उत्पादों की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत थोक उपभोक्ताओं को अपने बफर स्टॉक से 25 लाख टन गेहूं बेचने की जिम्मेदारी दी गई है। ई-नीलामी के जरिए गेहूं की पहली बिक्री 1-2 फरवरी को हुई थी। 23 राज्यों में एफसीआई के डिपो से करीब 9.2 लाख टन गेहूं की बिक्री हुई। प्रत्येक बुधवार को साप्ताहिक ई-नीलामी आयोजित करने की योजना थी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ई-नीलामी के जरिए गेहूं की दूसरी बिक्री पूरे देश में 15 फरवरी बुधवार को होगी। इसका मतलब यह है कि एफसीआई अगले हफ्ते गेहूं की ई-नीलामी नहीं करेगा और मंत्रालय ने नीलामी नहीं कराने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं दी है। इस बीच एफसीआई ने पहली ई-नीलामी के सभी विजेता बोलीदाताओं को निर्देश दिया है कि वे लागत को कम करें और देश भर के संबंधित डिपो से तुरंत स्टॉक उठा लें तथा कीमतों को काबू में लाने के लिए इसे संबंधित बाजारों में उपलब्ध कराएं।

आरबीआई की मौद्रिक नीति और कंपनियों के नतीजों से रहेगा बाजार पर असर

- निवेशकों की इस सप्ताह अमेरिकी बाजार की दिशा पर भी बारीकी से नजर रहेगी

मुंबई ।

बीते सप्ताह वै श्विक बाजारों के सकारात्मक रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, बैंक और आईटी समूह के जोरदार प्रदर्शन की वजह से 2.6 प्रतिशत की उड़ान भर चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह वैश्विक रुख के साथ ही रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समीक्षा नीति और कंपनियों के तिमाही परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1510.98 अंक अर्थात 2.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 60841.88 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 229.85 अंक यानी 1.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 17854.05 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप भी 109.17 अंक की बढ़त लेकर 24448.01 अंक और स्मॉलकैप 238.83 अंक उछलकर 27862.68 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद पिछले दो सप्ताह में अडानी समूह के शेयरों में आई 50 प्रतिशत की गिरावट शेयर बाजार के लिए कठिन सप्ताह रहा। हालांकि बीते गुरुवार और शुक्रवार को एफएमसीजी, बैंक और आईटी समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली ने बाजार को संभाल लिया। आरबीआई की इस वर्ष की पहली द्विमासिक समीक्षा 08 फरवरी को है, जिसमें दुनिया के केंद्रीय बैंकों की तरह भारतीय केंद्रीय बैंक के भी नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करने की प्रबल संभावना है, जिसका असर बाजार पर स्पष्ट दिखाई देगा। इस सप्ताह भारती एयरटेल, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडालको, महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाला है। बाजार को दिशा देने में इन कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। अमेरिका के मैक्रोइकॉनॉमिक डाटा भी इस सप्ताह जारी होंगे। निवेशकों की इस सप्ताह अमेरिकी बाजार की दिशा पर बारीकी से नजर रहेगी। साथ ही एफआईआई का रुख भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे वर्ष 2023 की शुरुआत से ही बाजार में भारी बिकवाली कर रहे हैं और यह अडानी समूह के संकट के बाद और तेज हो गया है।

एफआईआई ने जनवरी में कुल 155,345.35 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 196,810.08 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 41,464.73 करोड़ रुपए निकाल लिए। इसी तरह फरवरी में अबतक 2,212.58 रुपए निकाल चुके हैं। हालांकि, जनवरी में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा मजबूत रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.88 लाख करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई । बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.88 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में आईटीसी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज को छोड़कर शीर्ष 10 कंपनियों में अन्य के बाजार मूल्यांकन में उछाल आया। शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 1,88,366.69 करोड़ रुपए बढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 43,321.81 करोड़ रुपए बढ़कर 4,72,353.27 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,043.38 करोड़ रुपए बढ़कर 6,72,935.25 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,239.66 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,02,749 करोड़ रुपए पर और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 26,143.92 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 12,74,026.80 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 23,900.84 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 9,25,188.45 करोड़ रुपए तथा भारती एयरटेल का 10,432.23 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,42,015.45 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7,988.61 करोड़ रुपए बढ़कर 6,21,678.35 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 6,503.28 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,92,313.07 करोड़ रुपए रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 3,792.96 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,85,900.49 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 5,885.97 करोड़ रुपए घटकर 15,75,715.14 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एसबीआई, आईटीसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

अमेरिका में खाने की कीमतें पिछले साल के मुकाबले दिसंबर में 11 फीसदी बढी

वाशिंगटन।

अमेरिका में महंगाई दर में गिरावट आई है ले किन खाने-पीने की चीजों की कीमतें पिछले साल के मुकाबले 11 फीसदी बढ़ गई है। श्रम ब्यूरो के ताजे आंकड़े के मुतो बि 138 प्रे तिशत पशु की चर्बी या बनस्पतति से बना मक्खन मो र्जिन 43.8 प्रे तिशत, बटर 38.5 प्रतिशत, पास्ता जैसे स्पेगेटी और मेकरानी की कीमत 31 प्रतिशत बढ़ी है। लोगों को सबसे पहले अंडों की बढ़ती कीमतों ने प्रभावित किया है। साल भर पहले एक दर्जन अंडे 1.78 डॉलर (146 रुपए) में मिलते थे। अब इनकी कीमत 4.25 डॉलर (346 रुपए) हो गई है। बताया जा रहा है कि बर्ड फलू के कारण अंडों की कीमतें बढ़ी हैं। चिकन मीट की कीमत में भी 11 प्रतिशत की तेजी आई है। बताया जा रहा है कि यह स्थिति जल्दी सुधरने वाली नहीं है। बटर की कीमत में भी काफी बढ़ोतरी देखी गई है। आधा किलो बटर 480 रुपए में मिल रहा है। किसानों का कहना है कि अधिक गर्मी और महामारी की वजह से गायों की संख्या कम हुई है इसे लिए ऐसा हुआ है। इसमे बिजली, गैस और खाद के दामों में भी बढ़ोतरी की भू मिका है। फल और सब्जियों की कीमत भी पिछले 12 महीनों में 24 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

बारिश कम होने और कैलिफोर्निया की सलिनास घाटी में कीडों से फैले वायरस ने भी फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिस बजह से से ब्जियों की अधिक पैदावार नहीं होने से इनकी कीमतें बढ़ी हैं। रेबोबैंक में कंज्यूर मामलों के विश्लेषक कहते हैं कि कुछ समय बाद कीमतों में कमी आने की संभावना है।

अडानी समूह का 3400 का शेयर 1531 रुपए तक लुढ़का

- निचले स्तर से शेयर में 50 फीसदी की रिकवरी देखने को मिली

मुंबई ।

अमरीकी इन्वेस्टमेंट फर्म और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 24 जनवरी, 2023 को आई थी और उसके बाद से ग्रुप की कंपनियों के शेयर दबाव में हैं। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भी तेज गिरावट देखने को मिली। अमरीकी स्टॉक एक्सचेंज डाउ जोंस ने अडानी एंटरप्राइजेज को सस्टेनबिलिटी इंडेक्स से बाहर कर दिया। इसके बाद कंपनी के शेयर 35 फीसदी तक गिर गए। हालांकि इसके बाद शेयर में रिकवरी आई और यह केवल 2.19 फीसदी की गिरावट के साथ 1,531 रुपए पर बंद हुए। निचले स्तर से शेयर में 50 फीसदी की रिकवरी देखने को मिली। 24 जनवरी की शाम को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 3400 रुपए के करीब थी। गुरुवार को यह करीब एक हजार रुपए तक नीचे आ गया। फिर रिकवर होकर 1,531 रुपए पर बंद हुआ। एसीई इक्विटी के पास अवेलेबल डाटा के मुताबिक, 31 दिसंबर 2022 तक एलआईसी के पास अडानी ग्रुप में करीब 1 फीसदी हिस्सेदारी है। बीते 6 कारोबारी सत्र में एलआईसी का अडानी ग्रुप में` निवेश लगभग आधा रह गया है। इस बीच बांग्लादेश सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ एनर्जी सेक्टर में डील में संशोधन की मांग की है। बांग्लादेश पावर डिवेलपमेंट बोर्ड (बीपीडीसी) ने अडानी पावर को चिट्ठी लिखी। इसमें बिजली खरीदी की कीमतों में बदलाव करने की मांग की है। बीपीडीसी का कहना है कि उसे महंगी दर पर बिजली मिल रही है। बीपीडीसी ने नवंबर, 2017 में 25 साल के लिए 1496 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए अडानी पावर से डील की थी।

पाकिस्तान ने दी धमकी, कहा- हम भारत में वनडे विश्व कप खेलने नहीं आएंगे

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन नजम सेठी ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को बताया कि उनका देश एशिया कप की मेजबानी करना चाहता है और अगर टूर्नामेंट को कहीं और कराया जाता है तो पाकिस्तान अपनी टीम भारत में होने वाले पुरूष वनडे विश्व कप के लिये नहीं भेजेगा। सेठी की यह टिप्पणी अपने पूर्ववर्ती रमीज राजा की तरह ही है जिन्होंने कहा था कि अगर दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच एशिया कप का मुद्दा नहीं निपटाया जाता है तो पाकिस्तान इस साल के अंत में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से बहिष्कार कर सकता है।

मेजबानी अधिकारों को खोना नहीं चाहता पाकिस्तान

एशिया कप मेजबानी का अधिकार शुरू में पाकिस्तान को दिया गया था और इसे सितंबर 2023 में कराया जाना था लेकिन एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के चेयरमैन शाह ने पिछले साल अक्टूबर में घोषणा की कि राजनीतिक तनाव के कारण भारत इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिये पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा। उम्मीद है कि एसीसी एशिया कप को पाकिस्तान से हटाकर कहीं और कराएगा और मार्च में इसके वैकल्पिक स्थल पर फैसला करेगा। हालांकि पीसीबी के एक विश्वस्त सूत्र ने कहा कि शनिवार को बहरीन में हुइ एसीसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के दौरान सेठी ने शाह को एशिया कप के बारे में पाकिस्तान का पक्ष स्पष्ट कर दिया कि उनका देश एशिया कप या 2025 में चैम्पियंस ट्राफी के मेजबानी अधिकारों को नहीं जाने देगा।

भारत को सुरक्षा देने का आश्वासन

सूत्र ने कहा, ''सेठी ने शाह को अपना पक्ष बिलकुल स्पष्ट कर दिया और वह पिछले मंगलवार को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात के बाद बहरीन गये थे। उन्होंने बहरीन जाने से पहले इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से चर्चा की।'' सूत्र ने कहा, ''सेठी स्पष्ट थे कि एशिया कप कई टीमों का टूर्नामेंट है और पाकिस्तान सरकार भारतीय टीम को सुरक्षा आश्वासन देने को तैयार है। इसलिये ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) इस साल सितंबर में अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेज पाये।''

सूत्र ने कहा, ''सेठी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर बीसीसीआई एशिया कप के लिये अपनी सरकार से हरी झंडी हासिल नहीं कर सकता तो पाकिस्तान भी वनडे विश्व कप के लिये भारत की यात्रा नहीं करेगा।'' सूत्र ने कहा कि सेठी के कड़े रवैये को देखते हुए फैसला किया गया कि एसीसी मार्च में फिर बैठक करेगा और इस मुद्दे को आगे बढ़ाया जायेगा। सूत्र ने कहा, ''सेठी ने एसीसी सदस्यों को कहा कि अगली बैठक से पहले बीसीसीआई को अपनी सरकार से बात करनी

चाहिए और अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए कि वह एशिया कप के लिये अपनी टीम भेजेगा या नहीं ताकि पाकिस्तान भी आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के साथ भारत में विश्व कप के अपने मैचों को खेलने के बारे में चर्चा कर सके।'' सूत्र ने साथ ही कहा कि सेठी ने एसीसी सदस्यों से पूछा कि जब पाकिस्तान को एशिया कप और 2025 चैम्पियंस ट्राफी की मेजबानी के लिये चुना गया था तो बीसीसीआई के प्रतिनिधियों ने तभी इस पर आपत्ति क्यों नहीं उठायी थी।

मुरलीधरन ने टेस्ट में लिए हैं सबसे अधिक 450 विकेट

– 8 गेंदबाजों की खास लिस्ट में हैं केवल एक भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले

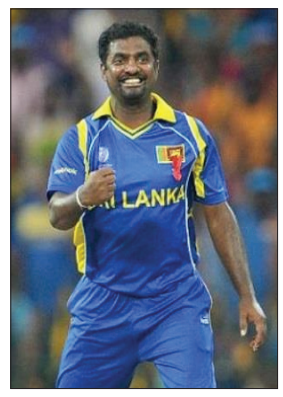

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 450 विकेट लेने का कारनामा पूर्व श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज है। मुरलीधरन ने 80वें मुकाबले में 450 विकेट लेने का कारनामा किया है। इसके बाद दूसरे स्थान पर टीम इंडिया के पूर्व महान स्पिनर अनिल कुंबले का नाम आता है। कुंबले ने 93वें टेस्ट में 450 विकेट के कीर्तिमान को छुआ था। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा स्थित हैं। मैकग्रा ने अपने 100वें टेस्ट मुकाबले में 450 विकेट के खास कीर्तिमान को छुआ था। चौथे स्थान पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महान स्पिनर शेन वॉर्न काबिज हैं। वॉर्न ने 101वें टेस्ट मुकाबले में अपने 450 विकेट पूरे किए थे। पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ही एक और दिग्गज स्पिनर का नाम आता है। यह दिग्गज खिलाड़ी और कोई नहीं नाथन लियोन हैं। लियोन ने टेस्ट करियर के अपने 112वें मुकाबले में 450वीं टेस्ट सफलता प्राप्त की थी। छठवें नंबर पर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम आता है। एंडरसन ने टेस्ट प्रारूप में 450 विकेट के कीर्तिमान को अपने 115वें मुकाबले में प्राप्त किया है। सातवें स्थान पर वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श का नाम आता है। वॉल्श ने टेस्ट क्रिकेट के 118वें मुकाबले में अपने 450 विकेट पूरे किए थे। आठवें स्थान पर इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड काबिज हैं। ब्रॉड ने अपने 128वें मुकाबले में 450वीं टेस्ट सफलता प्राप्त की है।

झूलन मुंबई इंडियंस महिला टीम की मेंटोर बनी, चार्लोट एडवर्ड्स मुख्य कोच नियुक्त

मुंबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हाल ही में संन्यास लेने वाली दिग्गज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को मुंबई इंडियंस ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरुआती सत्र के लिए टीम का मेंटोर (मार्गदर्शक) और गेंदबाजी कोच की दोहरी भूमिका सौंपी है। इंग्लैंड की महिला टीम की पूर्व कप्तान और महिला वनडे और टेस्ट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली चार्लोट एडवर्ड्स को मार्च में होने वाले उद्घाटन सत्र के लिए फ्रेंचाइजी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। भारत की पूर्व हरफनमौला देविका पल्शिकर बल्लेबाजी कोच होंगी, जबकि तृप्ति चंदगडकर भट्टाचार्य टीम मैनेजर होंगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की श्रृंखला के बाद पिछले साल संन्यास लेने वाली 'पद्म श्री' झूलन के नाम दो दशकों से अधिक के करियर में 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं। वह महिला वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। झूलन जनवरी 2016 में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। संन्यास के बाद वह वह बंगाल की महिला टीम का मार्गदर्शन कर रही है। एडवर्ड का करियर भी लगभग दो दशक का रहा है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप खिताब जीता है।

जयपुर महाखेल में मोदी ने राजस्थान के युवाओं को जमकर सराहा

–राजस्थान ने देश को कई खेल प्रतिभाएं दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जयपुर महाखेल में भाग ले रहे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उनकी जमकर प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि राजस्थान के युवा देश की रक्षा में हमेशा आगे आये हैं। यहां की भूमि अपने युवाओं के साहस, उत्साह और क्षमता के लिए जानी जाती है। उन्होने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस भूमि के युवा अपने शौर्य के जरिए युद्ध के मैदान को भी खेल का मैदान बना देते है। इतिहास से लेकर वर्तमान तक में देश की सुरक्षा के लिए राजस्थान के युवा कभी पीछे नहीं हटे है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में शुरू हुआ खेल आयोजनों और खेल महाकुंभ का सिलसिला एक बड़े बदलाव को दिखाता है। इस भूमि के युवाओं ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने देश को कई खेल प्रतिभाएं दीं और इन्होंने पदक जीतकर तिरंगे का गौरव बढ़ाया है। जयपुर ने एक ओलंपिक पदक विजेता को सांसद के रूप में भी चुना। सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से राज्यवर्धन राठौर युवा पीढ़ी के पास लौट रहे हैं, इससे प्रसन्नता हुई। महाखेल की शुरुआत 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर हुई थी। इस महाखेल के दौरान स्वेदेशी खेल कबड्डी के पर खास ध्यान रहा है। इस बार इस महाखेल में 450 से अदिक ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं, वार्डों से 6400 से अधिक युवाओं और खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। गौरतलब है कि जयपुर महाखेल का आयोजन जयपुर ग्रामीण से लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कराया है। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि इस महाखेल के जरिए ये साफ हो गया है कि खेल और एथलीटों का स्वर्णिम युग चल रहा है।

ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में भारतीय बैटिंग की रीढ़ बन सकता है श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटी हुई हैं। दोनों टीमों के बीच 4 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 9 फरवरी से नागपुर में खेला जाएगा। बेशक ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक हो, इसके बाद भी उसे यह बात अच्छी तरह पता है कि टीम इंडिया को उसके घर में हराना कंगारुओं के लिए आसान नहीं होगा। भारतीय टीम पिछले कुछ समय से अपने घर में अजेय रही है। इस सीरीज में भारत के नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के बगैर उतरना पड़ रहा है। उनकी जगह ईशान किशन और केएस भरत को बतौर विकेटकीपर टेस्ट टीम में जगह मिली है। पंत टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। खासकर दूसरी पारी में उनकी बैटिंग देखने लायक होती है। वह किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। ऐसे में उनकी भरपाई करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगी। पंत के साथ साथ श्रेयस अय्यर भी पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। अय्यर के पीठ के निचले हिस्से में जकड़न है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभ्यास मैच की कमी का अहसास होगा : रैना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के भारत में टेस्ट सीरीज से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलने के फैसले से उन्हें हैरानी हुई है। रैना के अनुसार सीरीज शुरु होने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपनी गलती का अहसाह होगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत में 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस समय बेंगलुरू में स्पिन से निपटने के लिए अभ्यास कर रही है। इसमें उसने सहायता के लिए बड़ौदा के स्पिनर महेश पिथिया को भी बुलाया है। पिथिया को इसलिए बुलाया है क्योंकि उनका गेंदबाजी एक्शन रविचंद्रन अश्विन से काफी मिलता है। वहीं टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि टीम के लिए अभ्सास मैच की कोई जरुरत नहीं है। रैना ने एक कार्यक्रम में कहा कि मैंने टेस्ट से पहले अभ्यास मैच खेले हैं और ये वास्तव में अहम होते है। भारत की पिचों पर खेलने के बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम उसे समझ पायेगी। रैना के अनुसार भारत 4 टैस्ट मैचों की श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेगा और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी से भी टीम को गेंदबाजी ओर बल्लेबाजी में संतुलन मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं लंबे समय के बाद जडेजा की वापसी से टीम बेहतर होगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन हाल में अच्छा रहा है। ऐसे में यह सीरीज शानदार रहने की संभावना है।

चोटिल हेजलवुड नहीं खेलेंगे पहला टेस्ट, दूसरे टेस्ट में भी खेलना अनिश्चित

नयी दिल्ली। चोट से उबर रहे आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भारत के खिलाफ नागपुर में नौ फरवरी से शुरू हो रहा पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे और दिल्ली में होने वाले दूसरे टेस्ट में भी उनका खेलना तय नहीं है। 32 वर्ष के हेजलवुड को पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्षाबाधित टेस्ट में बायें पैर में चोट लगी थी। हेजलवुड ने बेंगलुरू के केएससीए स्टेडियम में आस्ट्रेलिया के आखिरी अभ्यास सत्र के बाद 'क्रिकबज' से कहा, '' पहले टेस्ट के बारे में नहीं कह सकता। अभी उसमें कुछ ही दिन बचे हैं। उसके बाद दूसरे टेस्ट में भी ज्यादा समय नहीं है। देखते हैं।'' हेजलवुड के नहीं खेलने पर स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता है। मिशेल स्टार्क पहले ही ऊंगली की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। हेजलवुड ने कहा, '' अभी कार्यभार प्रबंधन अहम है। मैं थोड़ा बहुत अभ्यास कर पा रहा हूं। अभी पूरी तरह से रिकवर नहीं हो सका हूं। एक बार में एक टेस्ट ही खेल पाना निराशाजनक है।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ भी वह एक ही टेस्ट खेल सके थे और फिर चोटिल हो गए थे। चोटों के बावजूद उनकी प्राथमिकता टेस्ट क्रिकेट है चूंकि आस्ट्रेलिया का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलना तय है और उसके अलावा एशेज श्रृंखला भी है। उन्होंने कहा, '' मेरी सोच नहीं बदली है। मैं मैच दर मैच सोचता हूं। यह बड़ा और लंबा दौरा है और हमें चार टेस्ट खेलने हैं। इसके अलावा एशेज भी खेलना है।

बल्लेबाजों को अभ्यास कराने टीम इंडिया ने 10 स्पिनरों को रखा

नागपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए बल्लेबाजों को अभ्यास कराने के लिए 10 स्पिनरों को रखा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय दल में पहले से ही आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव जैसे 4 स्पिनर थे। वहीं अब टीम प्रबंधन ने वॉशिंगटन सुंदर, राहुल चाहर, साई किशोर और सौरभ कुमार को भी अभ्यास के लिए बुलाया है। इस सूची में जयंत यादव और पुलकित नारंग भी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 10 स्पिनर नागपुर टेस्ट के लिए भारतीय टीम बल्लेबाजी का अभ्यास करा रहे हैं। इसमें तीन ऑफ स्पिनर, दो लेग स्पिनर और चार बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज शामिल हैं। इससे अंदाजा होता है कि कोच द्रविड़ ऑस्ट्रेलियाई स्पिन आक्रमण को देखते हुए बल्लेबाजों के अभ्यास में कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं।

IMAGE : BCCI

इसका कारण यह है कि पिछले कुछ समय में स्पिन गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर का भी यही मानना है। उन्होंने हाल ही में यह कहा था कि आज ज्यादातर भारतीय बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों को अच्छे से नहीं खेल पाते हैं। उनके पास स्पिन खेलने का एक ही तरीका है। वो है गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलना जबकि पहले ऐसा नहीं था। पहले के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कला जानते थे। उन्हें पता होता था कि कब आक्रमण करना है और कब रक्षात्मक रुख अख्तियार करना है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली हाल के कुछ वर्षों में लेग स्पिनर के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए हैं। लोकेश राहुल का भी यही हाल है।

रोहित 45 टेस्ट में 25 बार स्पिन गेंदबाजों का शिकार हुए हैं। वहीं, विराट 57, राहुल 19 बार स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ आउट हुए हैं। इससे अंदाजा होता है कि यानी स्पिन गेंदबाजों का सामना करना इस अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भी अब आसान नहीं रहा है। कोच राहुल द्रविड़ जानते हैं कि टीम की इसी कमजोरी का लाभ ऑस्ट्रेलियाई उठा सकते हैं। इसी लिए वे 4 स्पिनरों के साथ भारत आये हैं।

इसके अलावा उनके पास पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाज भी हैं। इसी को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन ने जयंत यादव और पुलकित नारंग के रूप में दो और ऑफ स्पिनर को इसलिए जोड़ा है जिससे भारतीय बल्लेबाजों को अनुभवी स्पिनर नाथन लॉयन का सामना करने में परेशानी न हो।

डेविस कप : उजबेकिस्तान को हराकर अमेरिका ग्रुप चरण में

वाशिंगटन। अमेरिका ने उजबेकिस्तान को 4.0 से हराकर डेविस कप फाइनल्स के ग्रुप चरण में प्रवेश कर लिया। अमेरिका के राजीव राम और आस्टिन क्राइजेक ने सर्जेइ फोमिन और संजार फेजीव को 6.2, 6.4 से हराकर जीत पर मुहर लगा दी। इससे पहले टॉमी पॉल और मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने ताशकंद में शुक्रवार को एकल मैच जीते थे। डेनिस कुडला ने आमिर मिलुशेव को 6.4, 6.4 से हराया। स्विटजरलैंड, सर्बिया, फ्रांस, ब्रिटेन और स्वीडन ने भी अपने अपने मैच जीत लिये। स्विटजरलैंड ने जर्मनी को 3.2 से हराया जबकि फ्रांस ने हंगरी को इसी अंतर से मात दी। सर्बिया ने नॉर्वे को 4.0 से हराया और ब्रिटेन ने कोलंबिया को 3.1 से मात दी। स्वीडन ने बोस्निया पर 3.1 से जीत दर्ज की। इस सप्ताह होने वाले 12 क्वालीफायर के विजेता सितंबर में डेविस कप फाइनल ग्रुप चरण में पहुंचेंगे जहां गत चैम्पियन कनाडा, उपविजेता आस्ट्रेलिया और वाइल्ड कार्डधारी इटली और स्पेन पहुंच चुके हैं। आठ टीमें नवंबर में स्पेन में होने वाले डेविस कप फाइनल्स में जगह बनायेंगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास से भरी है श्रीलंकाई टीम : चमारी अथापथ्थु

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अथापथ्थु ने कहा है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अथापथ्थु के अनुसार उनकी टीम में अभी जैसा आत्मविश्वास दिख रहा है वैसा पहले कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि हमारी महत्वाकांक्षाएं टूर्नामेंट जीतने से कम नहीं हैं। यह हमारा अंतिम लक्ष्य है। हमारा आत्मविश्वास हाल के परिणामों, हमारे खिलाड़ियों के कौशल और खेल से भी बना है।

हमने एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही भारत के खिलाफ फाइनल में जगह बनाने में भी सफलता हासिल की है। हमने फाइनल में पहुंचने के लिए शुरूआती चरण में बांग्लादेश और फिर सेमीफाइनल में पाकिस्तान सहित कई टीमों को हराया था। कप्तान ने कहा, आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए हमारी तैयारी अच्छी रही है। हमने एशिया कप सहित हाल के महीनों में कई अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हमें एक तरह से लय मिल गई है और मुझे लगता है कि हम सही संयोजन भी तलाश रहे हैं। इस क्रिकेटर ने यह भी कहा कि महिला टी20 विश्व कप में श्रीलंकाई टीम मुख्य कोच के बिना टूर्नामेंट में जाने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के हालातों को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारी के साथ जा रही है। हम इस टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसके लिए हर तरह से काम कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के हालातों को ध्यान में रखते हुए हमारे पास कुछ विशेष प्रशिक्षण सत्र हैं। हमने व्यक्तिगत कौशल निर्माण, पावर हिटिंग और अपनी फील्डिंग क्षमताओं को बढ़ाने पर काम किया है। श्रीलंकाई टीम इस टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 10 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेलेगी।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज – कोस्टेनियुक की लगातार तीसरी जीत

म्यूनिख, जर्मनी। फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज के तीसरे राउंड में रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को और मजबूत कर लिया है। अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें पहले राउंड में पोलैंड की अलीना काशलिनस्काया को पराजित कर शुरुआत की थी और उसके बाद जर्मनी की एलिज़ाबेथ पैहत्ज़ को पराजित करते हुए लगातार दूसरा अंक बनाया था, तीसरे राउंड में उन्होने जर्मनी की दिनारा वैगनर को मात देते हुए जीत की हैट्रिक लगाते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है। चीन की झू जिनर ने कज़ाकिस्तान की जानसाया अब्दुमालिक को मात देते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। भारत की कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें क्रमश: उक्रेन की मारिया मुजयचूक और पोलैंड की अलीना काशलिनस्काया से अंक बांटते हुए लगातार अपनी तीसरी बाजी ड्रॉ खेली। अन्य मुकाबलों में चीन की तान झोंग्यी से जर्मनी की एलिज़ाबेथ पैहत्ज़ और जॉर्जिया की नाना दगनिडजे से उक्रेन की एना मुजयचूक के बीच बाजी अनिर्णीत रही। तीन राउंड के बाद कोस्टेनियुक 3 अंक, तान, नाना और एना 2 अंक, हम्पी, हरिका, मारिया 1.5 अंक बनाकर खेल रही है।

भारतीय महिला टीम टी20 विश्वकप जीतने के इरादे से उतरेगी: हरमनप्रीत

केपटान (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का कहना है कि उनकी टीम 10 फरवरी से दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत का करना है कि उनकी टीम का लक्ष्य इस बार ट्रॉफी जीतना रहेगा। भारतीय सीनियर टीम ने आज तक आईसीसी विश्वकप नहीं जीता है। वहीं जूनियर टीम ने हाल ही में टी20 विश्कप जीता था। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने केपटान पहुंचकर अभ्यास भी शुरु कर दिया है। हरमन ने कहा कि वह इस आईसीसी टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ऐसे में उसका लक्ष्य किसी भी हालत में जीत हासिल करना रहेगा।

इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान से मुकाबले से करेगी। भारत और पाक की टीमों के बीच 12 फरवरी को मुकाबला होगा। दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला होगा। गत दिवस सभी कप्तानों का फोटो सत्र हुआ जहां हरमनप्रीत ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के साथ नजर आयीं। हरमनप्रीत ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सभी 10 टीमों के कप्तानों सहित तस्वीर साझा की है। भारतीय कप्तान ने लिखा, ' फिर टीम का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हूं. पूरा देश ट्रॉफी के साथ टीम का इंतजार कर रहा है।'

भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में दो अभ्यास मैच भी खेलने हैं। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया से वहीं दूसरे में बांग्लादेश से खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला अभ्यास मैच मंगलवार 7 फरवरी को शाम 6ः30 बजे से खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम इस प्रकार है। जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), रिचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, राधा यादव, रेणुका ठाकुर, अंजली सरवानी, पूजा वस्त्रकार, राजेश्वरी गायकवाड और शिखा पांडे।

मोटरस्पोर्ट संगठनों ने पोर्नस्टार बनी रेसर की वापसी का प्रस्ताव ठुकराया

सिडनी। कार रेसर से पोर्न स्टार बनी रेनी ग्रेसी की वापसी की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। ऑस्ट्रेलियाई मोटरस्पोर्ट संगठनों ने रेनी का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। कार रेसर से पोर्न स्टार बनी रेनी दोबार कार रेसिंग में उतरना चाहती थी। अब यह अटकलें हैं कि रेनी कोई रेसिंग टीम खरीदने का प्रयास करेगी। रेनी इससे पहले वी-8 सुपरकार चैम्पियनशिप में शामिल रही हैं लेकिन बढ़ते कर्जे के चलते वह पोर्नस्टार बन गयीं थीं। अपने इस फैसले के कारण वह दुनिया भर में चर्चा का कारण भी बनी थी। रेनी अब रेसिंग के लिए देश से बाहर अन्य विकल्प देख रही हैं। उसका कहना है कि वह कुछ ऐसा खोजने का प्रयास कर रही हैं जो मजेदार के साथ ही सुरक्षित भी हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

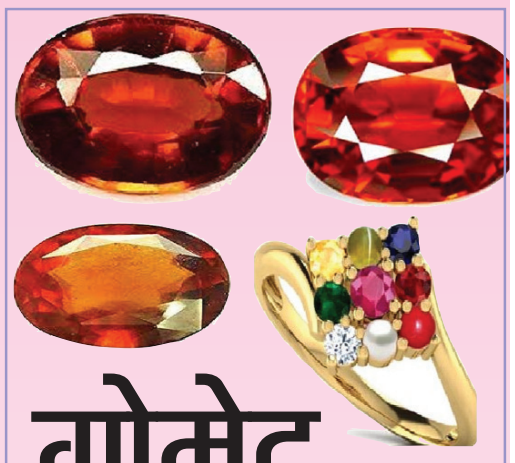

गोमेद

एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

शार्क के हमले से 16 वर्षीय नाबालिग की मौत

–नाबालिग अपने दोस्तों के साथ जेट्सकी पर थी सवार

कैनबेरा। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर की स्वान नदी में गत दिवस शनिवार को शार्क के हमले से 16 वर्षीय नाबालिग की मौत हो गई। पुलिस ने मीडिया को यह जानकारी दी। पश्चिम ऑस्ट्रेलिया पुलिस के इंस्पेक्टर पॉल रॉबिन्सन ने कहा कि आपातकालीन कर्मियों ने घटनास्थल पर चिकित्सा सहायता प्रदान की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर पॉल रॉबिन्सन ने इस घटना को दुखद बताया और कहा कि नाबालिग अपने दोस्तों के साथ जेट्सकी पर सवार थी। डॉलफिन देखे जाने के बाद वह अपने जेट्सकी से छलांग लगाते हुए पानी में कूद गई, तभी उस पर शार्क ने अटैक कर दिया। नदी से उसके शव को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया, उसके शरीर पर भयानक घाव थे। उसे तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि घटना के समय मृतका का परिवार दुर्घटनास्थल पर नहीं था, लेकिन यह दृश्य बहुत ही खतरनाक था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला एक बुल शार्क द्वारा किया जा सकता है। हालांकि, अभी यह किस तरह की शार्क थी, इसकी पुष्टि होनी बाकी है। वन्यजीव वैज्ञानिक डॉक्टर वैनेसा पिरोट्टा ने वीकेंड टुडे को बताया कि इस प्रजाति को अभी के लिए बुल शार्क माना जा रहा है। बुल शार्क एक ऐसी प्रजाति है जो गर्म, उथले पानी में तटों और नदियों में पाई जाती है। ऐसा माना जा रहा है कि जनवरी 1923 में एक 13 वर्षीय लड़के के मारे जाने के बाद से स्वान नदी में यह पहला घातक शार्क हमला था। ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर प्रत्येक वर्ष लगभग 20 शार्क हमले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से अधिकांश न्यू साउथ वेल्स और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में होते हैं। शार्क के काटने से मरना आम बात नहीं है। साल 2021 में दो और साल 2020 में सात घातक शार्क हमले हुए हैं।

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में संदिग्ध हमलावरों के मकानों को घेरा

वेस्ट बैंक। इजराइली सेना ने शनिवार को फलस्तीनी शहर जेरिचो के पास एक शरणार्थी शिविर पर छापा मारा, फलस्तीनी हमलावरों के लिए पनाह के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे मकानों को घेर लिया और गोलीबारी करने वाले निवासियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस कार्रवाई में छह फलस्तीनी घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सेना ने बताया कि उसने इजराइल की एक बस्ती के पास पिछले सप्ताह हुए हमले में शामिल संदिग्धों की तलाश के लिए वेस्ट बैंक में जेरिचो के अकाबात जब्र शरणार्थी शिविर में छापा मारा।

सेना ने कहा, 'कई फलस्तीनी गोलीबारी करने के बाद अपने परिवार की मदद से अपने घरों में छिप गए और वे भविष्य में हमले करने की योजना बना रहे थे। इन भगोड़े आरोपियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने के वास्ते सेना का एक बुलडोजर एक मकान की दीवार पर चढ़ गया।' सेना ने बताया कि संदिग्ध और परिवार के सदस्य एक मकान से बाहर निकले तथा आत्मसमर्पण कर दिया। उसने कहा कि फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने सैनिकों पर पथराव किया, जबकि कुछ बंदूकधारियों ने गोली चलाई। इजराइली सेना ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें छह फलस्तीनी घायल हो गए।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, की पुलिस बल को सशक्त बनाने की मांग

पेशावर । खैबर-पख्तूनख्वा में हजारों लोग क्षेत्र में बढ़ती अराजकता और आतंकवाद के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए सड़कों पर उतर आए और कमजोर पुलिस बल को सशक्त बनाने की मांग की। प्रदर्शनकारी सफेद झंडे लिए हुए थे और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग कर रहे थे। पेशावर, बाजौर, डीर अपर, डीर लोअर, बन्नू, डीआई खान और अन्य प्रमुख शहरों में आयोजित विरोध प्रदर्शनों में नागरिक समाज के सदस्य, वकील, राजनीतिक कार्यकर्ता और आम लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा पुलिस आतंकी लड़ाई में सबसे आगे रही है और उन्हें इस खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सुरक्षा और उचित उपकरण दिए जाने चाहिए। ज्ञात हो रैलियां ऐसे समय में हो रही हैं, जब पाकिस्तान के कई राज्य आतंकवाद से बुरी तरह से प्रभावित है। जनवरी 2018 के बाद से सबसे घातक महीना साबित हुआ है, जिसमें 134 लोगों ने अपनी जान गंवाई और देश भर में कम से कम 44 आतंकवादी हमलों में 254 लोग घायल हुए। शांगला जिले में स्थानीय अधिकार संगठनों द्वारा कई रैलियों का आयोजन किया गया। पीटीआई, पीपीपी, अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) और अन्य सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतृत्व ने रैलियों को संबोधित किया था।

बीते सप्ताह में जापान में महामारी चेतावनी स्तर पर पहुंचे फ्लू के मामले

टोक्यो । जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 29 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह में पूरे देश में फ्लू के मरीजों की संख्या देश में महामारी की चेतावनी के स्तर पर पहुंच गई है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फेक्शस डिजीज द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश भर में प्रति चिकित्सा संस्थान में रोगियों की औसत संख्या 10.36 पर आ गई है, जो प्रति संस्थान 10 के चेतावनी स्तर के बेंचमार्क को पार कर गई है। चेतावनी का स्तर आने वाले 4 हफ्तों में महामारी के आने की संभावना का संकेत देता है। आंकड़ों से पता चलता है कि जापान के सभी 47 प्रान्तों में लगभग 5,000 नियमित रूप से निगरानी वाले चिकित्सा संस्थानों ने 7 दिनों की अवधि के दौरान कुल 51,000 से अधिक इन्फ्लूएंजा के मामलों की सूचना दी। प्रान्त द्वारा, प्रति-अस्पताल संख्या ओकिनावा में 41.23 पर सबसे अधिक थी, इसके बाद फुकुई में 25.38, ओसाका में 24.34 और फुकुओका में 21.70 थी। यहां विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि 2021 और 2022 में कोविड-19 के सख्त उपायों के बाद फ्लू का संक्रमण सामान्य वर्षो के विपरीत और फैल सकता है, जिससे जाहिर तौर पर फ्लू के संक्रमण को काफी कम स्तर पर रखने में मदद मिली।

छात्रा से शारीरिक संबंध बनने के आरोप में शिक्षक को जेल, बाहर आकर उसी छात्रा से कर शादी

–अदालत से पांबदी हटने की लगाई गुहार

वाशिंगटन ।शिक्षकों को माता-पिता के रुप में देखा जाता है। मगर अमेरिका के टीचर की हैरान करने वाली हरकत सामने आई है। यहां टीचर ने अपनी छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बनाए। पोल खुलने पर शिक्षक को जेल भेज दिया गया। इसके बाद में जब शिक्षक बाहर आया, तब पता चला कि उसने उसी छात्रा से ही शादी कर ली है। अब वह अदालत में गुहार लगा रहा, कि उसके ऊपर लगी पांबदियों को हटा लिया जाए, क्योंकि वह स्टूडेंट अब उसकी पत्नी है। मामला अमेरिकी शहर अलबामा का है। यहां थॉमस ब्लैक टकर बच्चों को पढ़ाया करते थे। साथ ही, वह बच्चों को स्पोर्ट्स की कोचिंग भी देते थे। वहीं, 19 साल की एक लड़की भी पढ़ती थी, जिससे शिक्षक की नजदीकियां बढ़ गईं। टकर ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। मामला खुलने पर टकर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ दिनों बाद उन्हें 30,000 डॉलर के मुचलके पर इस शर्त पर रिहा किया गया कि वे लड़की से मुलाकात नहीं करने वाले हैं। यहां तक कि बातचीत की भी कोई कोशिश नहीं होगा। स्कूल प्रशासन ने भी उनसे इस्तीफा ले लिया। टकर जब बाहर आए, तब उन्होंने किसी तरह लड़की से संपर्क साधकर उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। लडकी ने भी प्रस्ताव मंजूर कर दोनों ने शादी कर ली। संकट यह था कि अदालत ने उन पर पाबंदी लगा रखी थी कि वे लड़की से मुलाकात नहीं करे, जब शादी हो गई तब मुलाकात न हो, ऐसा कैसे हो सकता है. इसकारण उन्होंने फिर अदालत का दरवाजा खटखटकर सारे प्रतिबंध हटाने की मांग की।

न्यूयार्क में ब्रायंट पार्क झरने के बर्फ में बदलने के बाद लोग उसके पास सेल्फी लेते हुए।

अमेरिका में ठंड से लॉकडाउन! स्कूल बंद, तापमान –79 डिग्री पहुंचा

–आर्कटिक ब्लास्ट से हालात बद से बदतर हुआ

वॉशिंगटन । अमेरिका में ठंड से लॉकडाउन जैसी स्थिति बन गई है। स्कूल बंद कर दिए गए हैं। तापमान –79 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अमेरिका में ठंड से हालात काफी ज्यादा खराब हैं। हालत ये है कि अमेरिका के कई राज्यों के तापमान भारी गिरावट दर्ज की गई है। अमेरिका में शुक्रवार को ठंड के कारण आर्कटिक ब्लास्ट हो गया, जिसके चलते तापमान काफी नीचे चला गया। न्यू हैम्पशायर के माउंट वॉशिंगटन में तापमान –79 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। नॉर्थ पोल के आसपास के इलाके को आर्कटिक कहा जाता है। आर्कटिक ब्लास्ट में इसी हिस्से से ठंडी हवा का बड़ा सा गोला कनाडा के रास्ते से अमेरिका पहुंचता है। इसके चलते अमेरिका के अधिकतर हिस्सों में तापमान अचानक से काफी नीचे गिर जाता है। ऐसी हालत में पारा कुछ ही घंटों में 11 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गिर सकता है। इतना ही नहीं, मैदानी इलाकों में तो तापमान –57 डिग्री सेल्सियस तक कम हो सकता है।

ठंड का 40 साल का रिकॉर्ड टूटा

तेजी से घट रहे तापमान को देखते हुए न्यूयॉर्क सहित न्यू इंग्लैंड के मैसाचुसेट्स, न्यू हैम्पशायर, रोड आईलैंड, वर्मौंट, कनेक्टिकट और मेन में लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है और उन्हें घर में ही रहने की सलाह दी गई है। मेन में ठंड का लगभग 40 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का निधन, दुबई के अस्पताल में ली अंतिम सांस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री परवेज मुशर्रफ का निधन हो गया है। पाकिस्तान मीडिया ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। परवेज मुशर्रफ लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका दुबई के अस्पताल में इलाज चल रहा था। परवेज मुशर्रफ को दिल और उम्र संबंधित कई बीमारियां थी।

परवेज मुशर्रफ के कारण ही वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध की शुरुआत हुई थी। वर्ष 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बिना बताए ही उन्होंने युद्ध की शुरुआत की थी। मुशर्रफ ने नवाज शरीफ को अंधेरे में रखते हुए इस युद्ध का आगाज किया था, जिसका अंजाम पाकिस्तान की हार से हुआ था।

इसके बाद सेना अध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होंने तख्तापलट कर पाकिस्तान में मार्शल लॉ भी घोषित

किया था। बता दें कि परवेज मुशर्रफ ने वर्ष 1999 में उस वक्त सैन्य तख्तापलट किया जब नवाज शरीफ श्रीलंका में थे। बाद में उन्होंने खुद को पाकिस्तान का राष्ट्रपति घोषित कर दिया था। इस घटना को परवेज मुशर्रफ ने 12 अक्टूबर 1999 को अंजाम दिया था।

बता दें कि ये एक रक्त विहीन क्रांति थी जिसमें परवेज मुशर्रफ के कहने पर नवाज शरीफ पर कई गंभीर आरोप लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। नवाज शरीफ पर परवेज मुशर्रफ के विमान का अपहरण करने और आतंकवाद फैलाने का आरोप लगा था। इसके बाद उनके परिवार के 40 सदस्यों को सऊदी अरब भेजा गया था। बता दें कि नवाज शरीफ ने आम चुनावों में जीत दर्ज की थी जिसके बाद वो लोकतांत्रिक तरीके से प्रधानमंत्री बने थे। बता दें कि नवाज शरीफ ने जनरल परवेज मुशर्रफ को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बनाया था।

दिल्ली में हुआ था जन्म

जानकारी के मुताबिक परवेज मुशर्रफ का जन्म दिल्ली के दरियागंज में 11 अगस्त 1943 को हुआ था। वर्ष 1947 में उनका परिवार विभाजन के समय पाकिस्तान चला गया। उनके पिता सईद ने नए पाकिस्तान सरकार के विदेश मंत्रालय में काम किया था।

मुशर्रफ को मिली थी फांसी की सजा

जानकारी के मुताबिक परवेज मुशर्रफ को पाकिस्तान में फांसी की सजा सुनाई गई थी। पाकिस्तान के इतिहास में ये पहला मौका था जब किसी व्यक्ति को ऐसी सजा सुनाई गई हो। हालांकि वर्ष 2016 से मुशर्रफ दुबई में रह रहे थे, ऐसे में उन्हें फांसी नहीं हुई थी।

यूक्रेन और रूस के हजारों नागरिकों ने पलायन कर बाली में बनाया शांति ग्राम

बाली । इंडोनेशिया के बाली में 17000 से अधिक रूसी और यूक्रेन के नागरिक एक साथ रह रहे हैं। इन्होंने एक शांति ग्राम की स्थापना की है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद यह लोग अपने देश से पलायन कर लगभग 10000 किलोमीटर दूर इंडोनेशिया के बाली में आकर बस गए हैं। दोनों देशों के जो नागरिक यहां पहुंचे हैं। उनमें 14500 रूसी नागरिक और 3000 से अधिक यूक्रेनियन नागरिक शामिल हैं। इसमें महिला और पुरुष दोनों हैं। युद्ध के बाद नागरिकों ने यहां बसना शुरू कर दिया था। दोनों देशों के नागरिक मल्टीनेशनल कंपनियों में काम कर रहे हैं। वह बाली से बैठकर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है, कि दोनों देशों के नागरिक एक साथ रह रहे हैं। इनमें कभी कोई विवाद देखने को नहीं मिलता है। युद्ध की समाप्ति के बाद, यूक्रेन के नागरिक अपने देश वापस जाना चाहते हैं। लेकिन रूस के नागरिक अब वहां पर जाने के लिए तैयार नहीं है। रूसी नागरिक बाली द्वीप में ही स्थाई रूप से रहने की बात कह रहे हैं। बाली दीप में जहां इनकी बस्ती बसाई गई है। उसका नाम पार्क उबद रखा गया है। यहां सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यहां पर सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

बिना शुल्क सेकंड होम वीजा : इंडोनेशिया सरकार ने बाली को डिजिटल नोबेल डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित किया है। यहां पर बिना टैक्स के सेकंड होम वीजा दिया जा रहा है। यह वीजा 5 से 10 साल की अवधि के लिए दिया जा रहा है। इंडोनेशिया के पर्यटन मंत्री के अनुसार युद्ध ग्रस्त देशों से आए लोगों के लिए पर्यटन वीजा लगातार जारी किए जाएंगे। यहां की सबसे बड़ी खासियत यह है,कि रूस और यूक्रेन के नागरिक आपस में मिलकर रह रहे हैं।

ऋषि सुनक ने भारत-ब्रिटेन सुरक्षा संवाद में शामिल होकर 'विशेष संकेत' दिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनके ब्रिटिश समकक्ष टिम बारो के बीच यहां कैबिनेट कार्यालय में हुई बैठक में शामिल होकर 'विशेष संकेत' दिये हैं। दोनों देशों के एनएसए की शुक्रवार को हुई बैठक में सुनक ने रेखांकित किया कि ब्रिटेन व्यापार, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और सशक्त करने का समर्थन करता है। डोभाल वाशिंगटन की यात्रा के बाद ब्रिटेन के साथ वार्षिक द्विपक्षीय रणनीतिक संवाद के लिए लंदन आए हैं। उन्होंने इससे पहले अमेरिकी समकक्ष जैक सुलिवन से भी इसी तरह की वार्ता की थी।

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग और विदेश मंत्रालय ने देर शनिवार को इस बैठक का संदर्भ देते हुए ट्वीट किया, ''कैबिनेट कार्यालय में सर टिम बारो और माननीय डोभाल के बीच भारत-ब्रिटेन एनएसए संवाद में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शामिल होकर विशेष संकेत दिये।'' इसमें कहा गया है, ''प्रधानमंत्री के इस आश्वासन का महत्व है कि उनकी सरकार व्यापार, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का पूरी तरह से समर्थन करती है। सर टिम के जल्द भारत दौरे का इंतजार कर रहे हैं।'' भारत और ब्रिटेन के बीच यह सुरक्षा संवाद बीबीसी के विवादित वृत्तचित्र ''इंडिया- द मोदी क्वेश्चन'' की पृष्ठभूमि में हुआ है। इस वृत्तचित्र की भारत सरकार ने निंदा करते हुए इसे पक्षपात करने वाला दुष्प्रचार करार दिया है।

इमरान खान ने समर्थकों से 'जेल भरो' आंदोलन के लिए तैयार रहने को कहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने शनिवार को अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पार्टी नेताओं को संघीय सरकार के खिलाफ 'जेल भरो तहरीक' के वास्ते तैयार रहने का निर्देश दिया। खान ने पार्टी नेताओं को हिरासत में यातना दिए जाने और नए सिरे से आम चुनाव कराने की घोषणा में देरी को लेकर संघीय सरकार के खिलाफ यह आंदोलन चलाने की घोषणा की है। पूर्व प्रधानमंत्री ने ये आह्वान शनिवार को जमान पार्क स्थित आवास से अपने टेलीविजन संबोधन के दौरान किया।

खान का यह बयान पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फवाद चौधरी और नेशनल असेंबली की पूर्व सदस्य शंदना गुलजार के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। खान ने कहा, ''मैं लोगों से तैयार होने और 'जेल भरो तहरीक' के लिए मेरे आह्वान का इंतजार करने के लिए कहता हूं। पाकिस्तानी जेलों में उन सभी को रखने के लिए इतनी जगह नहीं होगी।'' उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान में उनके आकाओं को लगता है कि ''हम उत्पीड़न और हिरासत में यातना से भयभीत होंगे, तो वे पूरी तरह से गलतफहमी में हैं।

1200 सालों बाद आया यूएस में सबसे बड़ा संकट

–सूख रही है कोलोराडो नदी

–अमेरिका के 4 करोड़ लोग पीते हैं कोलोराडो का पानी

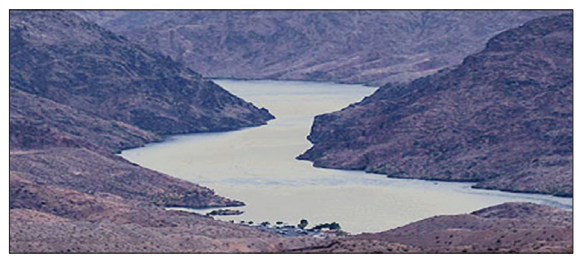

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिका की कोलोराडो नदी करीब 2330 किलोमीटर लंबी है। अमेरिका के सात और मेक्सिको के दो राज्यों को पानी सप्लाई करती आई है, लेकिन सातों अमेरिकी राज्य अब इसके पानी के लिए आपस में संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि यह नदीं अब सूख रही है। पानी का स्तर बहुत नीचे जा चुका है। कोलोराडो नदी से सातों अमेरिकी राज्यों के चार करोड़ लोगों के लिए पीने के पानी की सप्लाई होती थी, लेकिन जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पानी कम होता चला जा रहा है। 1200 सालों में इसने पहली बार इतना भयानक सूखा बर्दाश्त किया है। ये सात राज्य कैलिफोर्निया, एरिजोना, कोलोराडो, नेवादा, न्यू मैक्सिको, उटाह और व्योमिंग हैं।

सातों राज्यों को करनी पड़ रही है पानी की राशनिंग

अब इन सातों राज्यों को पानी की राशनिंग करनी पड़ रही है। अमेरिकी सरकार ने कहा है कि ये राज्य पानी की दिक्कत को आपस में सुलझा लें। जहां कटौती करनी पड़े कर लें। एनवायरमेंटल डिफेंस फंड में वाटर पॉलिसी एनालिस्ट केविन मोरान ने कहा कि पानी की कटौती एक बड़ा कदम है। ये करना फिलहाल इन सभी राज्यों के लिए जरूरी है। केविन ने बताया कि सात में छह राज्य कोलोराडो नदी के डेल्टा क्षेत्र में आते हैं। पिछले 20 सालों से यहां पर लगातार सूखा पड़ा रहा है। यह सबकुछ जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है।

इन छह राज्यों को नदी से लेने वाले पानी की खपत में कटौती तो करनी ही पड़ेगी. इन राज्यों के बीच 100 साल पहले समझौता हुआ था। इन राज्यों को हर साल नदीं से 2 करोड़ एकड़-फीट पानी का इस्तेमाल करना था। एक एकड़-फीट पानी से दो शहरी घरों को सालभर पानी मिल सकता है। पिछले दो दशक में नदी के पानी में 1.25 करोड़ एकड़-फीट की औसत कमी आई है। इसलिए इन राज्यों में पानी की किल्लत होने लगी है। कैलिफोर्निया को नदी का सबसे ज्यादा 80 फीसदी हिस्सा मिलता है, लेकिन अब लोगों को लगता है कि सातों राज्यों के बीच पानी को लेकर चल रही लड़ाई देश के सबसे बड़े कोर्ट में ही जाकर सुलझेगी, क्योंकि कैलिफोर्निया का प्रशासन कह रहा है कि हम अपनी जरुरत पूरी करेंगे। हम कटौती नहीं कर सकते। पानी हर इंसान का संवैधानिक अधिकार है, बाकी राज्यों के लिए पानी देना मतलब हमें दिक्कत होगी।

अमेरिका ने चीन का निगरानी गुब्बारा मार गिराया, चीन ने अंजाम भुगतने की धमकी दी

वाशिंगटन/बीजिंग। (एजेंसी)। अमेरिका ने शनिवार दोपहर दक्षिण कैरोलाइना तट पर अटलांटिक महासागर में चीन के एक निगरानी गुब्बारे को मार गिराया। इसके बाद, पेंटागन ने कहा कि उसने गुब्बारे के मलबे से सभी उपकरण बरामद करने का अभियान शुरू किया है। वहीं, चीन ने उसके असैन्य मानवरहित यान के खिलाफ ''बल प्रयोग'' पर कड़ी आपत्ति जताई और अमेरिका को इसके अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। अमेरिका के एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने वाशिंगटन में पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्देश पर अमेरिकी सेना ने स्थानीय समयानुसार दोपहर दो बजकर 39 मिनट पर अटलांटिक महासागर में चीन के निगरानी गुब्बारे को मार गिराया। उन्होंने कहा, ''जिस स्थान पर गुब्बारे को गिराया गया, वह दक्षिण कैरोलाइना में अमेरिकी तट से छह मील दूर है।

गुब्बारे को मार गिराने के दौरान अमेरिकी नागरिकों को जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।'' रक्षा अधिकारी के मुताबिक, वर्जीनिया में लांगले वायुसेना अड्डे से उड़ान भरने वाले लड़ाकू विमान ने एक मिसाइल छोड़ी, जिससे गुब्बारा अमेरिका के वायु क्षेत्र के भीतर महासागर में जा गिरा। बाइडन ने मैरीलैंड में पत्रकारों से कहा, ''मैंने उन्हें गुब्बारे को मार गिराने का निर्देश दिया था।'' उन्होंने कहा, ''बुधवार को जब मुझे गुब्बारे की जानकारी दी गई थी, तो मैंने पेंटागन को इसे जल्द से जल्द मार गिराने का आदेश दिया था। उन्होंने (पेंटागन) जमीन पर किसी को नुकसान पहुंचाए बिना ऐसा करने का निर्णय लिया और इसके लिए सबसे उपयुक्त समय तब मिला, जब गुब्बारा समुद्र के ऊपर था।'' इस बीच, चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को चीन के विदेश मंत्रालय के एक बयान का हवाला देत हुए कहा कि बीजिंग ने चीन के असैन्य मानवरहित यान पर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा बल प्रयोग करने को लेकर कड़ा विरोध जताया है।

बयान के अनुसार, ''अमेरिका द्वारा बल प्रयोग पर जोर देना वास्तव में एक अनावश्यक प्रतिक्रिया और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का गंभीर उल्लंघन है। चीन इसकी प्रतिक्रिया में आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखते हुए प्रासंगिक कंपनी के वैध अधिकारों और हितों को दृढ़तापूर्वक बनाए रखेगा।'' चीन ने दावा किया कि यह गुब्बारा महज मौसम अनुसंधान ''हवाई जहाज'' था। वहीं, अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन के निर्देश पर एक लड़ाकू विमान ने चीन के निगरानी गुब्बारे को अमेरिकी वायु क्षेत्र में दक्षिण कैरोलाइना के तट पर समुद्र के ऊपर मार गिराया। ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिकी महाद्वीप में सामरिक स्थलों की निगरानी करने के प्रयास में चीन द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे गुब्बारे को अमेरिकी जल क्षेत्र के ऊपर मार गिराया गया।'' उन्होंने बताया कि गुब्बारे को मार गिराने की कार्रवाई कनाडाई सरकार के समन्वय और पूरे सहयोग के साथ की गई। पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा कि गुब्बारे को मार गिराए जाने के तुरंत बाद उन्होंने गुब्बारे द्वारा एकत्रित की गई संवेदनशील सूचना हासिल करने के लिए कदम उठाए, ताकि चीन के लिए इसका खुफिया महत्व खत्म हो जाए।

अधिकारी के मुताबिक, घटनास्थल पर कई जहाज और गोताखोर मौजूद हैं। इसके अलावा, एफबीआई अधिकारी और अन्य खुफिया प्राधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारी ने कहा, ''गुब्बारे को मार गिराने से अमेरिका, चीन के संवेदनशील उपकरण बरामद कर सकता है। मैं ज्यादा जानकारियां नहीं दे सकता, लेकिन हम गुब्बारे और उसमें मौजूद उपकरणों का अध्ययन कर पाएंगे।'' एक अन्य वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया, ''पेंटागन कुछ समय से ऊंचाई पर उड़ रहे गुब्बारे पर नजर रख रहा था। यह 28 जनवरी को अलास्का में घुसा था। इसके बाद, इसने 30 जनवरी को कनाडाई वायु क्षेत्र में प्रवेश किया और फिर 31 जनवरी को दोबारा अमेरिकी वायु क्षेत्र में घुसा।

4 साल पहले सड़क दुर्घटना में हुई थी युवक की मौत कोर्ट के आदेश पर अब परिजनों को मिलेगा 3 करोड़ मुआवजा

मुंबई । चार वर्ष पूर्व मुंबई में एक महिला के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी.अब ट्राब्यूनल कोर्ट के आदेश पर परिजनों को 3 करोड़ रुपए मुआवजा मिलेगा. यह मुआवजा बीमा कंपनियां ट्राब्यूनल कोर्ट के आदेश के बाद देंगी. यह दुर्घटना दावा अब तक किए गए सबसे अधिक भुगतान में से एक होगा. दरअसल मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने एक टैंकर मालिक और एक बीमा कंपनी को मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली स्थित प्राइवेट कंपनी में सुरक्षा सेवा कंपनी के जोनल प्रमुख प्रशांत (37) के परिवार को लगभग 3.11 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है जिसकी मौत साल 2018 में उस स्कूटर से हुई जिस पर वह पीछे बैठा था. खबर के अनुसार ट्रिब्यूनल कोर्ट के सामने साल 2019 में दावा पेश किया गया था. जहां मृतक प्रशांत (37) के परिवार ने कहा कि दुर्घटना 6 दिसंबर 2018 को हुई थी. परिवार ने कोर्ट में दावा टैंकर के मालिक दीना बी गावड़े और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ दायर किया गया था. उन्होंने पेश किए दावे में कहा कि जब प्रशांत का स्कूटर हाइवे के पास एक जंक्शन पर पहुंचा तो टैंकर पीछे से तेज गति से आया और लापरवाही से स्कूटर से टकरा गया जिसके बाद प्रशांत की मौके पर ही मौत हो गई थी. वहीं ट्रिब्यूनल कोर्ट के अनुसार इंश्योरेंस कंपनी को बीमे की रकम पीड़ित प्रशांत विश्वास की माँ पत्नी और नाबालिग बेटियों को देना होगा. ट्रिब्यूनल ने मुआवजे को प्रशांत की गणना करते हुए पीड़िता के सालाना वेतन को करीब 17 लाख रुपए माना है. ट्रिब्यूनल ने टैंकर ड्राइवर और अन्य पुलिस दस्तावेजों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भरोसा करते हुए कहा इस प्रकार रिकॉर्ड पर सबूत यह स्थापित करते हैं कि दुर्घटना टैंकर चालक द्वारा तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई जिसके चलते मृतक की मौत चोटों के कारण हुई थी. जबकि ट्रिब्यूनल के नोटिस के बावजूद टैंकर मालिक पेश नहीं हुआ इसलिए उसके खिलाफ मामला एकतरफा चला. बीमा कंपनी ने याचिका का विरोध किया और कहा कि आवेदन खराब था. क्योंकि सवार और स्कूटर के मालिक को कार्यवाही में पक्षकार नहीं बनाया गया था. इसके अलावा बीमा कंपनी के अनुसार दुर्घटना के समय टैंकर ड्राइवर शराब के नशे में था. इस दौरान बीमा कंपनी ने ट्रिब्यूनल कोर्ट में पेश अपने दावे में कहा कि ड्राइवर ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत तय नियमों का उल्लंघन किया है जिसमें ट्रिब्यूनल ने तर्कों का खंडन किया. इसमें एक डॉक्टर की रिपोर्ट का हवाला दिया गया जिसने दुर्घटना के बाद टैंकर ड्राइवर की जांच की थी. डॉक्टर ने नोट किया था कि ड्राइवर के मुंह और सांस से शराब की गंध आ रही थी लेकिन उसकी बोली और चाल सामान्य थी और वह सीधी रेखा में चल रहा था.

मुस्लिमों पर भड़काऊ टिप्पणी करने पर बाबा रामदेव के विरुद्ध बिहार में परिवाद दायर

मुजफ्फरपुर । इस्लाम पर की गई कथित भड़काऊ टिप्पणी को लेकर योग गुरू बाबा रामदेव के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत में शनिवार को परिवाद पत्र दायर किया गया है। मुजफ्फरपुर के सामाजिक कार्यकर्ता तमन्ना हाशमी ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में रामदेव के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत में मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। हाशमी ने शिकायत दर्ज कराने के बाद कहा मुसलमानों और इस्लाम के खिलाफ रामदेव द्वारा दिया गया बयान आपत्तिजनक है और यह मुस्लिम समुदाय के लोगों की भावनाओं को आहत करता है। उन्होंने कहा राजस्थान के बाड़मेर में एक कार्यक्रम में भड़काऊ टिप्पणी करते हुए योग गुरु रामदेव ने हिंदू धर्म की तुलना इस्लाम और ईसाई धर्म से करते हुए मुसलमानों पर आतंक का सहारा लेने और हिंदू महिलाओं का अपहरण करने का आरोप लगाया। योग गुरु रामदेव ने कहा था कि मुसलमान दिन में पांच बार नमाज पढ़ते हैं और फिर जो चाहे करते हैं। वे हिंदू लड़कियों का अपहरण करते हैं और सभी प्रकार के पाप करते हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। हाशमी ने आरोप लगाया कि रामदेव ने उक्त टिप्पणी कर मुसलमानों की भावनाएं आहत की हैं। तमन्ना हाशमी ने धारा 195, 295, 298 क, 298ख, 504, के तहत परिवाद दायर कराया है। इसकी सुनवाई के लिए मुजफ्फरपुर सीजीएम कोर्ट ने अगली तारीख 16 फरवरी दी है।

पश्चिम बंगाल में बम विस्फोट में टीएमसी कार्यकर्ता की मौत, आरोप-प्रत्यारोप शुरू

कोलकाता बीरभूम जिले के मारग्राम में हुए बम विस्फोट में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यकर्ता की मौत और सत्तारूढ़ पार्टी के पंचायत प्रमुख के भाई के घायल होने के बाद रविवार को राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। घटना में मारे गए न्यूटन शेख के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शनिवार को हुए हमले के लिए कांग्रेस समर्थक जिम्मेदार थे। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मारग्राम में पार्टी की सांगठनिक ताकत बहुत कम है और पार्टी किसी हमले में शामिल नहीं है। बम हमले में न्यूटन शेख की मौत हो गई, जबकि घायल लाल्टू शेख को इलाज के लिए कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल लाया गया। बीरभूम जिले की सीमा झारखंड से लगे होने के मद्देनजर हमले में माओवादियों की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर पश्चिम बंगाल के शहरी विकास मंत्री फरहाद हाकिम ने कहा कि पुलिस को सभी पहलुओं की जांच करनी चाहिए। मारग्राम में टीएमसी पंचायत प्रमुख के भाई घायल लाल्टू से मिलने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक बड़ी साजिश है और इन बमों को बनाने के लिए सामग्री के स्रोत की जांच की जानी चाहिए।'' उन्होंने इस बात से इनकार किया कि घटना टीएमसी में फूट का परिणाम हो सकती है, जैसा कि विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस आरोप लगा रही है। अधीर चौधरी ने कहा कि मारग्राम में कांग्रेस के पास कोई सांगठनिक ताकत नहीं है, यह जानते हुए भी अगर कोई पार्टी को चर्चा में लाना चाहता है तो उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है। चौधरी ने कहा, ''हर कोई जानता है कि हमलावर और पीड़ित दोनों टीएमसी के हैं।

भारत में कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ट्वीट कर परवेज मुशर्रफ को शांतिदूत कहा

- थरूर के इस ट्वीट के बाद भारत में गरमाई राजनीति

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का 79 साल की उम्र में दुबई में निधन हो गया। परवेज मुशर्रफ को भारत-पाक करगिल युद्ध का मेन विलेन माना जाता है। उस वक्त परवेज मुशर्रफ ही पाकिस्तान के आर्मी चीफ थे। मुशर्रफ के निधन के बाद भारत में कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उन्हें एक वक्त का शांति दूत कहकर संबोधित किया। थरूर के इस ट्वीट के बाद भारत में राजनीति गरमा गई है। थरूर के ट्वीट पर आपत्ति जताते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूनावाला ने थरूर और कांग्रेस को पाक हितैशी बताया। शहजाद पूनावाला ने ट्वीट किया परवेज मुशर्रफ करगिल युद्ध के आर्किटेक्ट, तानाशाह, जघन्य अपराधों के आरोपी थे. उन्होंने तालिबान और ओसामा को भाई और नायक माना। जिन्होंने अपने ही मृत सैनिकों के शवों को वापस लेने से इनकार कर दिया, कांग्रेस द्वारा उनका स्वागत किया जा रहा है! आश्चर्य हो रहा है? फिर, कांग्रेस की पाक परस्ती सामने आई है। शहजाद पूनावाला ने लिखा कि एक जमाने में मुशर्रफ ने राहुल गांधी की सज्जन व्यक्ति के तौर पर तारीफ की थी, शायद यही मुशर्रफ कांग्रेस को प्रिय हैं। धारा 370 से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक तक बालाकोट पर संदेह करने वाली कांग्रेस ने पाक की जुबानी बोली और मुशर्रफ की जयकार की। शहजाद पूनावाला ने आगे लिखा कि यही कांग्रेस है जिसे मुशर्रफ और पाक तो पसंद हैं, लेकिन अपने ही देश के प्रमुख को सड़क का गुंडा कहा। दरअसल, शशि थरूर ने ट्वीट किया कि पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का दुर्लभ बीमारी से निधन हो गया। वो एक बार भारत के एक कट्टर दुश्मन रहे, लेकिन वही मुशर्रफ 2002-2007 के बीच में शांति के लिए एक वास्तविक ताकत बनकर उभरे। शशि थरूर ने आगे लिखा कि मैं उन दिनों संयुक्त राष्ट्र में हर साल उनसे मिला और उन्हें अपनी रणनीतिक सोच में स्मार्ट, आकर्षक और स्पष्ट पाया। थरूर के अलावा पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी परवेज मुशर्रफ के निधन पर दुख व्यक्त किया और मुशर्रफ के बारे में लिखा कि उन्होंने कश्मीर मुद्दे को संबोधित करने की कोशिश की। उन्होंने ट्वीट कर लिखा दिल से संवेदना। शायद एकमात्र पाकिस्तानी जनरल जिसने वास्तव में कश्मीर मुद्दे को संबोधित करने की कोशिश की। वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की इच्छा के अनुसार और भारत और पाकिस्तान को स्वीकार्य समाधान चाहते थे।

मोदी सरकार 'हम अडाणी के हैं कौन' कहकर सवालों से भाग नहीं सकती: कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने अडाणी समूह पर लगे आरोपों को लेकर केंद्र पर हमला तेज करते हुए रविवार को कहा कि इस मुद्दे पर मोदी सरकार की ''गहरी चुप्पी'' से ''मिलीभगत की बू आती है।'' अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह पर फर्जी लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद अडाणी समूह के शेयर की कीमतों में भारी गिरावट आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि पार्टी रविवार से इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने रोजाना तीन सवाल रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि अडाणी समूह पर लगे आरोपों की बाच मोदी सरकार ने ''गहरी चुप्पी साध रखी है, जिससे मिलीभगत की बू आती है।''

रमेश ने कहा कि चार अप्रैल 2016 को पनामा पेपर खुलासे के जवाब में वित्त मंत्रालय ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से एक बहु-एजेंसी जांच समूह को विदेशी 'टैक्स हेवन' (कर चोरी के लिहाज से मुफीद देशों) से संबंधित वित्तीय प्रवाह की निगरानी करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद, पांच सितंबर 2016 को चीन के हांगझाऊ में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आपने (मोदी) कहा था, ''हमें आर्थिक अपराधियों के लिए सुरक्षित आश्रयों को खत्म करने, धनशोधन करने वालों का पता लगाकर बिना शर्त प्रत्यर्पित करने और जटिल अंतरराष्ट्रीय नियमों के जाल तथा अत्यधिक बैंकिंग गोपनीयता को तोड़ने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है, जो भ्रष्ट लोगों और उनके कार्यों को उजागर होने से रोकती है।'

उन्होंने कहा कि इससे कुछ ऐसे सवाल पैदा होते हैं, जिनसे आप (मोदी) और आपकी सरकार 'एचएएचके' (हम अडाणी के हैं कौन) कहकर नहीं बच सकते। रमेश ने सवाल उठाते हुए कहा कि पनामा पेपर और पेंडोरा पेपर में गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी का नाम बहामास और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड में विदेशी संस्थाओं को संचालित करने वाले व्यक्ति के रूप में आया था। उन्होंने कहा, ''विनोद अडाणी पर 'विदेशी मुखौटा कंपनियों के एक विशाल जाल' के माध्यम से शेयर के हेर-फेर और 'अकाउंट संबंधी धोखाधड़ी' में शामिल होने का आरोप है। आपने भ्रष्टाचार से लड़ने में अपनी ईमानदारी और 'नीयत' के बारे में अकसर बात की है और यहां तक कि इसके चलते देश को नोटबंदी के रूप में भारी कीमत चुकानी पड़ी है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह तथ्य कि आप जिस व्यावसायिक इकाई से भली-भांति परिचित हैं, वह गंभीर आरोपों का सामना कर रही है, आपकी जांच की गुणवत्ता और गंभीरता के बारे में क्या बयां करता है?' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने राजनीतिक विरोधियों को ''डराने'' और उन कारोबारी घरानों को ''दंडित'' करने के लिए वर्षों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों का ''दुरुपयोग'' किया है, जो उनके ''साथियों'' के वित्तीय हितों के अनुरूप नहीं हैं। रमेश ने सवाल किया कि अडाणी समूह के खिलाफ वर्षों से लगाए जा रहे गंभीर आरोपों की जांच के लिए क्या कभी कोई कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या प्रधानमंत्री के अधीन मामले में सही और निष्पक्ष जांच की कोई उम्मीद है।

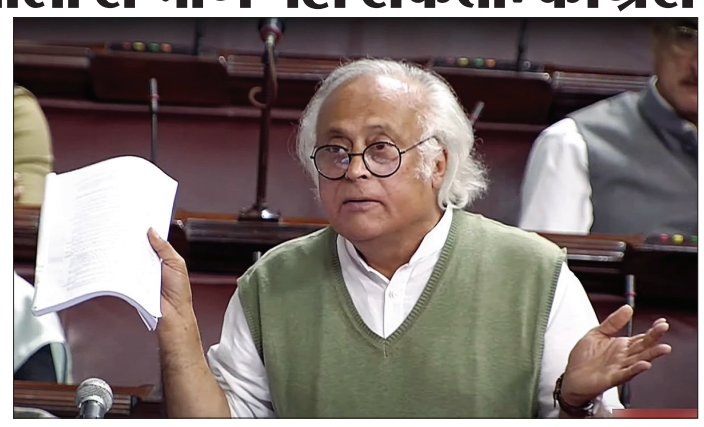

दो नाकाम कोशिशों के बाद फिर होगी सदन की बैठक...

दिल्ली को आज मिलेगा नया मेयर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के महापौर को चुनने के लिए नगर निगम (एमसीडी) सदन की बैठक सोमवार को बुलाई गई है। इससे पहले महापौर चुनने की दो कोशिश नाकाम हो चुकी हैं। दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) अधिनियम 1957 के तहत महापौर और उप महापौर का चुनाव नगर निकाय सदन की पहली बैठक में ही हो जाना चाहिए। हालांकि नगर निकाय चुनाव हुए दो महीने का समय बीत चुका है पर अब तक शहर को नया महापौर नहीं मिला है।

इससे पहले एमसीडी सदन की बैठक छह जनवरी और 24 जनवरी को दो बार बुलाई गई थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों के हंगामे की वजह से पीठासीन अधिकारी ने महापौर का चुनाव कराए बिना कार्यवाही स्थगित कर दी। पिछले साल चार दिसंबर को संपन्न चुनाव के बाद 250 सदस्यीय निकाय सदन का पहला सत्र पूरी तरह से बेकार चला गया जबकि दूसरे सत्र में नामांकित सदस्यों के शपथ लेने के बाद निर्वाचित पार्षदों ने शपथ ली।

शपथ लेने की कार्यवाही पूरी होने के बाद सदन के दूसरे सत्र को पीठासीन अधिकारी और भाजपा पार्षद सत्या शर्मा ने अगली तारीख के लिए स्थगित कर दिया। भाजपा सदस्यों ने चेम्बर के बाहर आप विरोधी और (दिल्ली के मुख्यमंत्री)अरविंद केजरीवाल विरोधी नारेबाजी की जबकि आप सदस्यों ने सदन में करीब पांच घंटे तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। निकाय सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राज्य सभा सदस्य संजय सिंह सहित आप नेताओं ने दावा किया कि महापौर का चुनाव नहीं होने दिया जा रहा है और भाजपा''लोकतंत्र का गला घोंटकर खतरनाक परंपरा शुरू कर रही है।''

एमसीडी चुनाव में आप 134 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी जबकि भाजपा को 104 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने नौ सीटें जीती थीं। छह फरवरी को बुलाई गई सदन की बैठक में भाजपा ने महापौर पद के लिए रेखा गुप्ता को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं आप की ओर से शैली ओबरॉय महापौर पद की दौड़ में शामिल हैं। उप महापौर के लिए आप और भाजपा ने क्रमशः आले मोहम्मद इकबाल और कमल बागरी को मैदान में उतारा है। सोमवार को महापौर और उप महापौर के साथ एमसीडी की स्थायी समिति के छह सदस्यों का भी चुनाव होना है।

शाह के बयान का खंडन नहीं किया तो साबित हो जाएगा सावंत ने कर्नाटक को बेच दिया महादयी का जल : पाटकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पणजी (ईएमएस)। गोवा में विपक्षी दल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस बयान की एक सप्ताह के भीतर निंदा करने को कहा जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने महादयी नदी विवाद सुलझा लिया है और कर्नाटक को पानी दे दिया है। गोवा और कर्नाटक में नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा है। गोवा ने कर्नाटक पर समझौते की अनदेखी करके मामले में एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

पार्टी के गोवा डेस्क प्रभारी मणिकम टैगोर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर, विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ और दक्षिण गोवा के सांसद फ्रांसिस सरदिन्हा सहित कांग्रेस नेताओं ने बैठक की। पाटकर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर गोवा के मुख्यमंत्री शुक्रवार तक शाह की टिप्पणी की निंदा नहीं करते हैं, तो यह साबित हो जाएगा कि 'गोवा ने राजनीति के लिए महादयी नदी को कर्नाटक को बेच दिया है।'

पाटकर ने बैठक में पारित प्रस्ताव का हवाला देते हुए कहा गोवा के लोगों के लिए मंत्रियों का कोई भी बयान पर्याप्त नहीं है। गोवा केवल प्रमोद सावंत के मुंह से सच्चाई जानना चाहता है। हम उन्हें एक सप्ताह का समय दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले शनिवार को चुनावी राज्य कर्नाटक के बेलगावी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली को संबोधित करते हुए कहा था मैं आपको बताना चाहता हूं कि भाजपा ने दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से जारी विवाद को सुलझाकर कर्नाटक को महादयी का पानी दे दिया है, ताकि यहां के कई जिलों के किसान लाभान्वित हो।

शाह की टिप्पणी से विवाद शुरू होने के बीच गोवा में विपक्षी दलों ने महादयी मुद्दे पर कोई रूख नहीं अपनाने के लिए मुख्यमंत्री सावंत के इस्तीफे की मांग की। सावंत ने कहा था कि इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा और सरकार महादयी नदी के पानी को ले जाने रोकने के लिए काम कर रही है। पाटकर ने कहा कि कांग्रेस छह फरवरी को गौतम अडाणी, एलआईसी और एसबीआई से जुड़े घोटाले के खिलाफ पणजी और मडगांव में विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एसबीआई और एलआईसी के माध्यम से आम लोगों के पैसे का इस्तेमाल करके अडाणी को बचाने की कोशिश कर रही है।

जी20 रोजगार कार्यबल की बैठक के प्रतिनिधियों ने हस्तशिल्प, कांस्य उत्पादों में दिलचस्पी दिखायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी 20 रोजगार कार्यबल की बैठक में हिस्सा ले रहे प्रतिनिधियों ने यहां एक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये हस्तशिल्प, कांस्य एवं अन्य उत्पादों में दिलचस्पी दिखायी। कंसारा मेटेलेक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेश कंसारा ने कहा, '' प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया अच्छी थी। उन्होंने बर्तनों, घंटियों और अन्य चीजों में दिलचस्पी दिखायी। प्रदर्शनी में कांस्य उत्पादों के आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य फायदों को प्रमुखता से दर्शाया गया है।'' कांस्य सजावटी उत्पादों ने भी प्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट किया। बाजरा खेती और बाजारा उत्पादों की प्रक्रिया भी प्रदर्शनी में दिखायी गयी है।

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के जिला परियोजना प्रबंधक तेज सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में चामुंडा माता स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाये गये कुकीज एवं लड्डू भी दिखाये गये हैं। भारत ने 19 देशों, यूरोपीय संघ और नौ अतिथि देशों एवं नौ क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों की मेजबानी की। जी 20 दुनिया के बड़े विकसित एवं विकासदेशा देशों का अंतर-सरकारी मंच है। जी 20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

हैदराबाद को दहलाने की तैयारी में था लश्कर आतंकी अब्दुल जाहिद, एनआईए ने किया खौफनाक साजिश का खुलासा

हैदराबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान भारत के खिलाफ लगातार षड़यंत्र रच रहा है। इसका खुलासा एनआईए की एफआईआर में हुआ है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई में लगातार आतंकियों की भर्ती की जा रही है। एफआईआर के मुताबिक आईएसआई में भर्ती हो रहे युवकों को खास निर्देश दिए जा रहे है। एनआईए ने खुलासा किया है कि हैदराबाद में आतंकी हमले करने की साजिश रची जा रही थी। इस आरोप में तीन लोगों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनआईए सूत्रों ने बताया इस मामले का मास्टरमाइंड अब्दुल जाहिद है। एनआईए को अब्दुल जाहिद के पास से कई हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। जाहिद हैदराबाद में कई अन्य आतंकवाद से संबंधित मामलों में भी संलिप्त रहा है। जानकारी के मुताबिक अब्दुल पर लश्कर ए तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंधित पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए युवाओं की भर्ती कर रहा था। अब्दुल जाहिद पर आरोप है कि उसने लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के निर्देश पर मोहम्मद समीउद्दीन, माज हसन फारूक और कई युवाओं की आतंकवाद फैलाने के लिए भर्ती की थी। जाहिद अपने साथियों के साथ हैदराबाद शहर में विस्फोट करने के अलावा लोन-वुल्फ हमले समेत कई आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में था। जनवरी में गृहमंत्रालय ने आरोपी के खिलाफ एनआईए को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया था।

गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ में पता चला है कि वे सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के लिए रैली या सार्वजनिक जगह पर हमला करने की फिराक में थे। आतंकियों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, चार लाख रुपए, दो मोबाइल बरामद किए गए है। उल्लेखनीय है कि यह पहला मौका नहीं है जब अब्दुल जाहिद को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले वर्ष 2005 के आत्मघाती बम विस्फोट मामले में भी उसे गिरफ्तार किया गया था। सबूतों की कमी के कारण वह 2017 में रिहा होने में सफल हुआ था। वहीं अब पाकिस्तानी आकाओं के इशारे पर ही वो हैदराबाद में भी आतंकी साजिश को अंजाम देने की फिराक में था।

कोविड के 'इंट्रानेजल' टीके की तीन लाख खुराक अस्पतालों को भेजी गई : भारत बायोटेक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत बायोटेक ने दो दिन पहले कुछ अस्पतालों को अपने 'इंट्रानेजल' (नाक से दिया जाने वाला) कोविड-रोधी टीके की तीन लाख खुराक भेजी हैं। कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णा एल्ला ने रविवार को यह जानकारी दी। वह यहां एक कार्यक्रम के इतर बोल रहे थे, जिसमें बेंगलुरु में एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना के लिए विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय से संबद्ध 'मेडिसन ग्लोबल हेल्थ इंस्टिट्यूट' (जीएचआई) और एल्ला फाउंडेशन के बीच द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। नाक के जरिये दिये जा सकने वाले दुनिया के पहले टीके 'इनकोवैक' को 26 जनवरी को लांच किया गया था। 'इनकोवैक' की कीमत निजी क्षेत्र के लिए 800 रुपये और भारत सरकार तथा राज्य सरकारों को आपूर्ति के लिए 325 रुपये है।

कृष्णा ने कहा, ''हमने दो दिन पहले कुछ अस्पतालों को दुनिया के पहले इंट्रानेजल कोविड-रोधी टीके की तीन लाख खुराक भेजी हैं।'' इस बीच, भारत बायोटेक के कार्यकारी अध्यक्ष ने भारतीय दवाओं के संबंध में ''एक गुणवत्ता, एक मानक'' सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्य दवा नियामक निकायों को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के साथ विलय करने का भी सुझाव दिया। पिछले कुछ महीनों में भारतीय दवाओं की गुणवत्ता को लेकर उठाए जा रहे सवालों की पृष्ठभूमि में रविवार को उनकी यह टिप्पणी आई है। ताजा उदाहरण शुक्रवार का है, जब तमिलनाडु स्थित 'ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर' ने अमेरिका में कथित रूप से आंख की रोशनी जाने से जुड़े मामले में अपने सभी 'आई ड्रॉप' को वापस लेने का कदम उठाया। इससे पहले, पिछले साल गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर भारत निर्मित 'कफ सीरप' पीने से बच्चों की मौत का मामला सामने आया था। कृष्णा एल्ला ने कहा कि कुछ मामलों के लिए पूरे भारतीय दवा उद्योग को बदनाम नहीं किया जा सकता है।

चीन पर सरकार का बड़ा प्रहार, सरकार ने बैन किए 200 से अधिक ऐप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एक बार फिर से चाईनीज ऐप्स पर डिजिटल स्ट्राइक की है। भारत सरकार ने 200 से अधिक चाइनीज ऐप्स को बैन कर दिया है। इसमें 138 बेटिंग ऐप और 94 लोन ऐप्स है। इन ऐप्स पर इलेक?ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कार्रवाई की है। सरकार ने देश की सुरक्षा के मद्देनजर ऐप्स के खिलाफ सख्ती दिखाई है। बताया जा रहा है कि जिन ऐप्स को सरकार ने बैन किया है उन सभी का संबंध चीन से था। सरकार ने इन सभी ऐप्स को इमरजेंसी और अर्जेंट तौर पर ब्लॉक करने के निर्देश दिए है। इन सभी ऐप्स पर आईटी एक्ट के सेक्शन 69 के तहत कार्रवाई की गई है। गृह मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक मंत्रालय ने बीते छह महीनों में 288 चाइनीज एप्स पर नजर रखी थी। इनमें से 94 ऐप्स ऐसे थे जो एप स्टोर पर थे। वहीं अन्य सभी एप्स थर्ड पार्टी के जरिए काम कर रहे थे। कई ऐप ऐसे हैं जो सीधे ऑनलाइन जाकर सोशल मीडिया से भी खोले जा सकते है। इन सभी एप्स को ब्लॉक किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन ऐप्स को बैन करने के साथ ही तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कार्रवाई करने की सिफारिश की है। कहा जा रहा है कि ये सभी ऐप्स ऐसे थे जो कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते थे। इस खतरे से बचाव करने के लिए ही सरकार ने बैन करने का कदम उठाया है।

आने वाले समय में फार्मा का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरने जा रहा उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फार्मा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, हित धारकों और उद्यमियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंन कहा, ''मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूं कि आप उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं। दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को यहां पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने बाबतपुर स्थित एक कॉलेज प्रांगण में 'फार्मा क्षेत्र में विकास के अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आने वाले समय में फार्मा का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरने जा रहा है।

उन्होंन कहा कि इसके अलावा प्रदेश में फार्मा क्षेत्र के लिए पर्याप्तमानव संसाधन, बेहतर सड़क संपर्क, पर्याप्त भूमि कोष और सुरक्षित माहौल उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने फार्मा क्षेत्र के अनुसंधानकर्ताओं और छात्र-छात्राओं से गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि विगत नौ साल में फार्मा क्षेत्र में बहुत से नये कार्य हुए हैं, यही कारण है कि आज भारत विश्व के फार्मा बाजार में बड़ी भूमिका में नजर आ रहा है। योगी ने कहा कि फार्मा क्षेत्र बहुत बड़ा है, गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए हम समयबद्ध तरीके से कार्य करेंगे, तो भारत के साथ-साथ दुनिया के बाजार पर हमारा कब्जा हो सकता है। हमें इस क्षेत्र में और प्रयास करने होंगे, जो नए अनुसंधान और पेटेंट हुए हैं उनमें भारत ने बेहतरीन कार्य किये हैं। हमें दस्तावेजीकरण, प्रकाशन, अनुसंधान की संभावनाओं और पेटेंट की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 30 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर हैं। लखनऊ और पटना के बीच दवा के केवल दो बड़े बाजार वाराणसी और गोरखपुर में हैं। पटना तक दवा की आपूर्ति वाराणसी से और काठमांडू तक दवा की आपूर्ति गोरखपुर से होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। हमें अनुसंधान कार्य के साथ ही नये संस्थानों का भी निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने ठान लिया है तो दुनिया के मंच पर भारत की प्रतिभा अवश्य छाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयोजित 137 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार

आरटीआई कानून को बचाने के लिए एक बार पुनः पूरे देश के पूर्व सूचना आयुक्तें और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली

डेटा बिल आरटीआई कानून के लिए बड़ा खतरा - शैलेश गांधी

प्रस्तावित डेटा विल से आरटीआई के संशोधन वाली धाराएं हटाई जाए - आत्मदीप

आरटीआई कानून को बचाने के लिए सतत संघर्ष जारी रखना पड़ेगा - भास्कर प्रभु

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आरटीआई कानून को बचाने के लिए एक बार पुन: पूरे देश के पूर्व सूचना आयुक्तें और आरटीआई कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली है।

दिनांक 5 फरवरी 2023 को आयोजित 137 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार के दौरान यह बात कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप एवं माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक एवं वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता भास्कर प्रभु सहित उपस्थित आरटीआई कार्यकर्ताओं और देश के गणमान्य नागरिकों ने रखी है।

सेव आरटीआई स्टोरीज के माध्यम से जनता के पास पहुंचे संदेश - शैलेश गांधी

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने पहले की भांति एक बार पुन: सरकार और न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि यह सरकारें और न्यायपालिका आरटीआई कानून को खत्म कर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि आए दिन आरटीआई कानून में दुष्प्रभावी संशोधन करते हुए सरकार धीरे-धीरे आरटीआई कानून को समाप्त करना चाहती है। वहीं न्यायपालिका के आए दिन आदेश स्वयं ही विचार करने योग्य है जिसमें गैरकानूनी ढंग से आरटीआई कानून को संशोधित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेशों में कभी यह जानकारी नहीं मिलेगी तो कभी वह जानकारी नहीं मिलेगी, इस

प्रकार धारा 8(1)(जे) और निजता के नाम पर आर टी आई पर कुठाराघात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को आम जनता के बीच में जाकर आरटीआई कानून बचाओ इस प्रकार छोटी-छोटी कहानियां जिसमें किस प्रकार दुष्प्रभावी संशोधन से उन्हें राशन, पेंशन और बेसिक एमेनिटीज की जानकारियां प्राप्त नहीं हो सकेंगी और वह परेशान होंगे इन बातों को रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज जनता के बीच में जाकर उन्हें इस आंदोलन में पुन: शामिल करने की जरूरत है तभी आरटीआई कानून बच पाएगा। इस प्रकार उन्होंने कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

आरटीआई कानून को संशोधित करने वाली सभी धाराएं डाटा बिल से हटाई जाए - आत्मदीप

हम पोस्टकार्ड अभियान के माध्यम से आरटीआई कानून को बचाने का कर रहे प्रयास - भास्कर प्रभु

कार्यक्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि के तौर पर पधारे पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने कहा कि आने वाले प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से सरकार आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) को हटाने का जो सुनियोजित प्लान कर रही है उससे आने वाले दिनों में आम व्यक्तिको काफी परेशानी होगी और सामान्य जानकारियां जो आज हमें प्राप्त हो जाती है उन्हें हासिल करने में दिक्कत होगी। उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालय भी आरटीआई कानून के दायरे में आती हैं जहां पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने उपस्थित सहभागियों के कई सवालों के जवाब प्रस्तुत किए और आरटीआई कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सूचना के अधिकार कानून को बचाने के लिए मुस्तैदी से काम करने का आह्वान किया।

मुंबई से पधारे माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक एवं वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता भास्कर प्रभु ने बताया कि उन्होंने एक बार पुन: आरटीआई कानून को प्रस्तावित डाटा बिल से बचाने के लिए पोस्टकार्ड अभियान प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में तुषार गांधी और सर्वधर्म गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पोस्टकार्ड अभियान प्रारंभ किया है और यह सब जानकारी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा क्योंकि आने वाले दिनों में बजट अथवा मानसून सेशन में सरकार द्वारा प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से आरटीआई कानून को संशोधित किए जाने का जो सुनियोजित प्लान चल रहा है उससे पहले हमें आरटीआई कानून को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि शासन के समक्ष हमारी बातें पहुंचे और मजे कर रहे अधिकारी और सरकार के नुमाइंदे यह सोचने पर मजबूर हो जाए कि यदि पारदर्शिता और जवाबदेही कानून नहीं रहेगा तो देश में लोकतंत्र मजबूत नहीं बनेगा।

जेसीबी पर निकली दूल्हे दुल्हन की बारात

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,गुजरात के नवसारी में शुक्रवार को एक बारात आकर्षण का केंद्र बनी। जेसीबी मशीन के पंजे को सजाकर उसमें दूल्हा और दुल्हन को बैठाया गया। दूल्हा और दुल्हन जेसीबी मशीन पर सवार होकर विवाह

स्थल पर पहुंचे। वर वधु को देखने के लिए रास्ते में भीड़ लग गई। पहली बार जेसीबी मशीन के पंजे को सजा कर उसमें दूल्हा-दुल्हन को बैठा कर बारात निकालने की, यह घटना सभी को आश्चर्यचकित कर रही थी। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

गुजरात में 1414 करोड़ रुपए के सट्टे का खुलासा, आरोपी फरार लुकआउट नोटिस जारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात पुलिस ने अभी तक का सबसे बड़ा सट्टा कारोबार का खुलासा किया है। अहमदाबाद पुलिस ने 1414 करोड रुपए के सट्टे का कारोबार करने वाले आरोपियों की पहचान की है। गुजरात के इतिहास में यह सबसे बड़ा सट्टे के कारोबार का मामला है। गुजरात पुलिस के अनुसार सट्टे का पैसा हवाला के जरिए दुबई भेजा गया है। दुबई में रह रहे राजकोट गुजरात के राजेश जयदेव नामक व्यक्तिने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के लिए ऑन वाल्स 777 नाम से एक ऐप बनाया है। इस ऐप की आड़ से अवैध कारोबार चल रहा है। लोन दिलाने की आड़ में भी सामान्य लोगों के अकाउंट खुलवा कर इनसे हवाला के जरिए पैसे दुबई भेजने का काम का भी खुलासा हुआ है। अक्टूबर 2022 में पकड़े गए सट्टे की जांच के दौरान सट्टेबाजी के कारोबार का बड़े पैमाने पर कई राज्यों में होने की जानकारी अहमदाबाद पुलिस को मिली है। पुलिस के अनुसार राकेश राजदेव उर्फ आरआर खन्ना, आशिक उर्फ रवि हसमुख भाई पटेल और राकेश जयदेव के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं।